RNI. MPHIN/2016/68439

> “ अपनी परिस्थितियों पर विचार न करनेवाला व्यक्ति मूर्ख होता है। ”
> अमृतलाल नागर

दैनिक मेल पॉवर

पेज 4

वर्ष- 10 | अंक-82 | भोपाल, बुधवार 20 अगस्त 2025 | पेज-8 | आमंत्रण मूल्य -1 रुपए | राजधानी भोपाल से प्रसारित

न्यूज. ब्रीफ

मामूली विवाद पर कलयुगी बेटे ने कर दी मां की हत्या

सिरमौर। हिमाचल प्रदेश के सिरमौर जिले में एक युवक को मां की हत्या के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने मंगलवार को जानकारी देते हुए बताया कि युवक ने मां की हत्या कर उसे घर के पास एक खेत में दफना दिया था। पुलिस के मुताबिक पच्छाद उप-मंडल के अंतर्गत सराहन ग्राम पंचायत के चड़ेच गांव की रहने वाले जयमंती देवी (51) की शनिवार रात हत्या कर दी गई। मामला तब प्रकाश में आया जब उनके बेटे पुष्प कुमार ने मां की गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराई। मीडिया रिपोर्ट में पुलिस ने बताया कि शुरूआती जांच में पुष्प कुमार की बहन और इलाके के लोगों ने शक जताया था कि जयमंती के लापता होने में पुष्प की भूमिका हो सकती है, क्योंकि वह अक्सर मां से झगड़ा करता था। पुलिस ने उससे सख्ती से पूछताछ की तो आरोपी पुष्प कुमार ने अपना जुर्म कुबूल कर लिया।

रेल की पटरियों के बीच सोलर पैनल सिस्टम स्थापित किए

नई दिल्ली। भारतीय रेलवे न केवल यात्रियों की सुरक्षा और सुविधा के लिए लगातार काम कर रही है, वहीं दूसरी ओर बिजली की बचत और पर्यावरण संरक्षण के लिए भी नए तरीके निकल रही है। इसी क्रम में रेलवे को एक बड़ी उपलब्धि हासिल हुई है। रेलवे मंत्रालय की ओर से सोशल मीडिया पोस्ट में जानकारी देकर बताया गया है कि बनारस लोकोमोटिव वर्क्स ने रेल की पटरियों के बीच भारत का पहला 70 मीटर लंबा रिमूवेबल सोलर पैनल सिस्टम स्थापित किया है। रेलवे की ओर से पोस्ट के जरिए भारतीय रेलवे ने इस ऐतिहासिक उपलब्धि के बारे में बताया गया है। रेलवे ने बताया कि वाराणसी के बनारस लोकोमोटिव वर्क्स ने रेलवे ट्रैक पर पटरियों के बीच भारत का पहला 70 मीटर लंबा रिमूवेबल सोलर पैनल सिस्टम स्थापित किया है।

ट्वीट डिलीट कर संजय कुमार ने माफी मांगी

नई दिल्ली। चुनाव विश्लेषक संजय कुमार ने महाराष्ट्र की मतदाता सूची पर सवाल उठाने को लेकर माफी मांगकर अपना पुराना ट्वीट डिलीट किया है। संजय कुमार के इन आंकड़ों का सहारा लेकर कांग्रेस चुनाव आयोग पर आक्रामक थी। राहुल गांधी ने कई बार कुमार के इन्हीं ट्वीट का जिक्र कर चुनाव आयोग पर निशाना साधते थे। अब संजय कुमार ने माफी मांगकर कहा कि 2024 के लोकसभा और विधानसभा चुनाव के आंकड़ों की तुलना करने में गलती हो गई थी। उन्होंने संबंधित ट्वीट डिलीट किया है। संजय कुमार ने कहा कि डेटा टीम से आंकड़ों का अध्ययन करने में गलती हुई थी। हमारा उद्देश्य किसी तरह की गलत जानकारी देना नहीं था। संजय के माफी मांगने के बाद बीजेपी को कांग्रेस पर निशाना साधने का फिर मौका मिल गया है। बीजेपी ने कहा कि यह एक ईमानदारी वाली गलती थी।बीजेपी आईटी प्रमुख अमित मालवीय ने कहा, हर चुनाव में कांग्रेस का यहीं होता है कि पहले कहा जाता है कि बीजेपी हार रही है। वहीं जब बाजी पलट जाती है, तब चर्चा शुरू होती है कि बीजेपी आखिर कैसे जीत गई। यहीं लोग किसी तरह समझाते हैं कि बीजेपी कैसे जीती। उन्हें लगता है कि टीवी देखने वाली जनता मूर्ख है।

सिंधु जल समझौता नेहरू की सबसे बड़ी गलतियों में से एक, पीएम मोदी का कांग्रेस पर हमला

राधाकृष्णन ओबीसी समाज से आने वाले जमीनी नेता, सभी दल उनका समर्थन करें

नई दिल्ली। एनडीए संसदीय दल की बैठक में मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उपराष्ट्रपति पद के लिए एनडीए उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन का परिचय कर उनकी जमकर तारीफ की। पीएम मोदी ने कहा कि राधाकृष्णन ओबीसी समाज से आने वाले जमीनी नेता हैं, जो सहज स्वभाव के हैं और राजनीति में खेल नहीं करते। उन्होंने राधाकृष्णन के लंबे सार्वजनिक जीवन और उनकी उपलब्धियों का जिक्र कर कहा कि वह सभी को साथ लेकर चलने वाले नेता हैं। इस मौके पर पीएम मोदी ने अपील की कि विपक्ष सहित सभी दल राधाकृष्णन को सर्वसम्मति से उपराष्ट्रपति पद के लिए समर्थन दें। बैठक में पीएम मोदी ने राधाकृष्णन के साथ अपने पुराने रिश्ते को भी याद किया। उन्होंने कहा कि हम तब से मित्र हैं जब हमारे बाल काले थे। जब राधाकृष्णन चुनाव लड़ रहे थे, तब मैं पार्टी का महासचिव था और उनकी चुनावी रैलियों की तैयारी करने की जिम्मेदारी मेरे ऊपर रहती थी। पीएम ने बताया कि राधाकृष्णन ने पार्टी कार्यकर्ता के तौर पर और सांसद व राज्यपाल के रूप में हर जिम्मेदारी को बखूबी निभाया है। उन्होंने कहा कि राधाकृष्णन का संसदीय और संवैधानिक मामलों का गहरा ज्ञान है, जो उन्हें उपराष्ट्रपति के पद के लिए एक प्रेरणादायक उम्मीदवार बनाता है। इसी बैठक में पीएम मोदी ने पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू की नीतियों पर भी तीखा हमला बोला। उन्होंने 1960 के सिंधु जल समझौते को नेहरू की सबसे बड़ी गलतियों में से एक। पीएम मोदी ने कहा कि पूर्व पीएम नेहरू ने समझौते को बिना कैबिनेट और संसद की सहमति के हस्ताक्षर किया, इसके तहत भारत के 80 फीसदी जल को पाकिस्तान को दे दिया गया, जबकि भारत को केवल 20 फीसदी हिस्सा मिला। उन्होंने कांग्रेस नेता नेहरु के इस फैसले को किसान विरोधी और राष्ट्रीय हितों के खिलाफ करार देकर कहा कि नेहरू ने बाद में अपने सचिव के माध्यम से गलती को स्वीकार किया था, लेकिन तब तक कोई फायदा नहीं हुआ। पीएम मोदी ने कहा कि नेहरू ने न केवल देश का बंटवारा किया, बल्कि सिंधु जल समझौते के जरिए दूसरा बंटवारा भी किया। उन्होंने समझौते को राष्ट्रीय हितों के साथ विश्वासघात बताकर कहा कि मोदी सरकार ने पहलगाम आतंकी हमले के बाद समझौते को निलंबित कर ऐतिहासिक गलती को सुधारने का प्रयास किया है।

उपराष्ट्रपति चुनाव की सज चुकी बिसात: राधाकृष्णन और रेड्डी, कौन देगा किसको मात

रोचक बात ये हैं कि इस बार दोनों उम्मीदवार दक्षिण भारत से

नई दिल्ली। संसद के दोनों सदनों में चल रहे गतिरोध के बीच इंडी गठबंधन ने मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट के रिटायर जस्टिस बी सुदर्शन रेड्डी को उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए उम्मीदवार बनाया है। उनका मुकाबला एनडीए के उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन से होगा। विपक्ष दवारा रेडडी के नाम का ऐलान करने के बाद अब ये तय हो गया हैं कि इंडी गठबंधन उपराष्ट्रपति चुनाव में एनडीए को वॉक ओवर नहीं देने जा रहा है। इस ऐलान के बाद अब उपराष्ट्रपति चुनाव काफी रोचक हो गया है। इंडी गठबंधन ने बी सुदर्शन रेड्डी को चुनाव में उतर कर एनडीए उम्मीददवारा को सीधी चुनौती दे दी है।

एनडीए के उम्मीदवार का जीतना तय

लोकसभा में कुल सांसदों की संख्या वर्तमान में 542 है। एक सीट खाली है। एनडीए के 293 सांसद हैं। इसी तरह राज्यसभा में 245 सांसद हैं। वहां 5 सीट खाली हैं। एनडीए के पास 129 सांसद हैं। यह मानकर कि उपराष्ट्रपति के लिए नामांकित सदस्य भी एनडीए उम्मीदवार के पक्ष में मतदान करने वाले है। इस तरह, सत्तारूढ़ गठबंधन को कुल 422 सदस्यों का समर्थन प्राप्त है। बहुमत के लिए 391 सांसदों के समर्थन की जरूरत है। अगस्त 2022 में एनडीए उम्मीदवार जगदीप धनखड़ को 528 वोट मिले थे। वहीं विपक्षी उम्मीदवार मार्गेट अल्वा को सिर्फ 182 वोट मिले थे। तब 56 सांसदों ने वोट नहीं डाला था।

पूंजीगत व्यय में मध्यप्रदेश देश के प्रथम तीन राज्यों में शामिल

आगामी डेढ़ माह में 5.60 लाख मेट्रिक टन यूरिया प्राप्त होने की संभावना : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

वर्ष 2024-25 में प्रदेश ने किया 66 हजार 218 करोड़ रूपए का निर्यात

- मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में मंत्रि-परिषद ने प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना लागू करने के लिए प्रधानमंत्री श्री मोदी का माना आभार
- जिलों के विकास कार्यों और योजनाओं की प्रगति पर जिलेवार पुस्तकें प्रकाशित की जाएंगी

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि चालू वित्तीय वर्ष की प्रथम तिमाही में पूंजीगत व्यय में वृद्धि वाले प्रथम तीन राज्यों में मध्यप्रदेश ने अपना स्थान बनाया है। कैग के आंकड़ों के अनुसार देश के 16 राज्यों ने पिछले वर्ष की तुलना में पूंजीगत व्यय में वृद्धि दर्ज की है। गुजरात 65%, उत्तर प्रदेश 42% और मध्यप्रदेश की उपलब्धि 41% है। साल दर साल वृद्धि के साथ मध्यप्रदेश का यह सबसे उत्कृष्ट प्रदर्शन है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश की इस उपलब्धि के लिए मंत्रि-परिषद के सभी साथियों को बधाई दी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव मंत्रि-परिषद की बैठक से पहले मंत्रीगण को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि उन्होंने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी से नई दिल्ली में भेंट कर उन्हें प्रदेश में जारी विकास कार्यों से अवगत कराया तथा उन्हें आगामी दिनों में भोपाल मेट्रो ट्रेन के शुभारंभ और विशाल किसान सम्मेलन के लिए आमंत्रित किया। प्रधानमंत्री श्री मोदी के दोनों कार्यक्रमों में शामिल होने की संभावना है। फार्मास्युटिकल, इंजीनियरिंग गुड्स और सोया उत्पादों के निर्यात बढ़ने से हुई 6% की वृद्धि मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2024-25 में मध्यप्रदेश ने निर्यात में अपनी रैंकिंग में सुधार करते हुए अब तक का सबसे अधिक 66 हजार 218 करोड़ रुपए का निर्यात किया है। निर्यात में 6% की बढ़ोतरी हुई है, जो फार्मास्युटिकल, इंजीनियरिंग गुड्स और सोया उत्पादों में निर्यात बढ़ने के फलस्वरुप हुई है। राष्ट्रीय स्तर पर निर्यात में मध्य प्रदेश की रैंकिंग 15 से 11 हो गई है। विकसित भारत रोजगार योजना से प्रदेश की औद्योगिक गतिविधियों को प्रोत्साहन मिलेगा मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में मंत्रि-परिषद ने प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना लागू करने के लिए प्रधानमंत्री श्री मोदी का आभार माना। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि इसमें निजी क्षेत्र में नौकरी पाने वाले युवाओं को 15 हजार रूपए सरकार की ओर से दिए जाएंगे। देश में 3 करोड़ 50 लाख युवाओं को रोजगार मिलेगा। इस योजना से राज्य में औद्योगिक गतिविधियों को भी प्रोत्साहन मिलेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हर्ष का विषय है कि इस दीपावली पर देश को बड़ा तोहफा मिलने वाला है। नई जनरेशन के लिए जीएसटी रिफॉर्म लागू किए जाएंगे। इससे दैनिक उपयोग की चीजें सस्ती होंगी और टैक्स में भी कमी आएगी। स्वतंत्रता दिवस पर जिला स्तरीय कार्यक्रमों में हुए नवाचार को मंत्रि-परिषद ने सराहा मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने स्वतंत्रता दिवस कार्यक्रम पर किए गए नवाचार के संबंध में मंत्री साथियों से फीडबैक प्राप्त किया।

ड्रैगन कर रहा दुष्प्रचार कह रहा

जयशंकर ने ताइवान को चीन का हिस्सा माना

भारत ने किया दावे का खंडन, कहा- कभी ताइवान को चीन का हिस्सा नहीं माना

नई दिल्ली। चीन के विदेश मंत्री वांग यी की भारत यात्रा के बीच बीजिंग ने ताइवान को लेकर दुष्प्रचार तेज कर दिया है। चीनी विदेश मंत्रालय का दावा है कि विदेश मंत्री एस जयशंकर ने ताइवान को चीन का हिस्सा माना है। हालांकि भारत के विदेश मंत्रालय की ओर से जारी बयान में ऐसा कोई जिक्र नहीं है। भारत ने 2010 के बाद से किसी भी संयुक्त बयान में ह्यवन चाइना पॉलिसीह्न का उल्लेख करना बंद कर दिया है, क्योंकि चीन की इस नीति में अरुणाचल प्रदेश के कुछ हिस्सों को भी शामिल किया जाता है। यही वजह है कि नई दिल्ली ने आधिकारिक तौर पर कभी ताइवान को चीन का हिस्सा नहीं बताया। भारतीय विदेश मंत्री जयशंकर ने वांग यी से मुलाकात के दौरान कहा कि भारत-चीन संबंधों में किसी भी सकारात्मक प्रगति का आधार सीमा क्षेत्रों में शांति और स्थिरता है। उन्होंने जोर देकर कहा कि सीमा पर तनाव कम करने की प्रक्रिया को आगे बढ़ाना जरुरी है। जयशंकर ने चर्चा में आर्थिक व व्यापारिक सहयोग, तीर्थ यात्राएं, जन-से-जन संपर्क, सीमा व्यापार और कनेक्टिविटी जैसे मुद्दों पर बातचीत की। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के रिश्ते तीन म्यूचुअल्स परस्पर सम्मान, परस्पर संवेदनशीलता और परस्पर हितों पर आधारित होने चाहिए। ताइवान मामलों की विशेषज्ञ ने चीन के दावे को पूरी तरह झूठा बताया।

पब्लिक चार्जिंग नेटवर्क की उपलब्धता में बढ़ोत्तरी, 15 महीनों में 18,000 से ज्यादा पब्लिक चार्जर जोड़े

91 प्रतिशत राष्ट्रीय राजमार्गों पर अब 50 किमी के भीतर एक फास्ट चार्जर

नई दिल्ली। इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) की ग्रोथ काफी हद तक पब्लिक चार्जिंग नेटवर्क की उपलब्धता पर निर्भर करती है। भारत में चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर की कमी अभी भी एक बड़ा मुद्दा है, लेकिन हाल ही में एक रिपोर्ट में बताया गया है कि पिछले कुछ सालों में पब्लिक चार्जिंग स्टेशनों की ग्रोथ काफी बड़ी है। भारतीय ईवी रिपोर्ट के अनुसार, देश भर में पब्लिक चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर ने 2023 से 2025 के बीच 4 गुना ग्रोथ देखी गई है, इससे पब्लिक चार्जिंग स्टेशनों की कुल संख्या 5,500 से बढ़कर 23,000 से अधिक हो गई है। यह तेजी से ग्रोथ मिल जुल कर की गई पहलों का रिजल्ट है, जिसमें केंद्र और राज्य सरकारें, ओईएमओ शामिल हैं, जिन्होंने सिर्फ 15 महीनों में 18,000 से ज्यादा पब्लिक चार्जर जोड़े हैं। रिपोर्ट में बताया गया है कि 91 प्रतिशत राष्ट्रीय राजमार्गों पर अब 50 किमी के भीतर एक फास्ट चार्जर है। कर्नाटक, हरियाणा, दिल्ली, केरल, बिहार, चंडीगढ़, पंजाब, गोवा, त्रिपुरा, सिक्किम, पुडुचेरी, दमन और दीव, और दादरा और नगर हवेली जैसे राज्य और केंद्र शासित प्रदेशों ने सभी राष्ट्रीय राजमार्गों पर 100 प्रतिशत फास्ट-चार्जर कवरेज हासिल किया है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि टॉप 25 प्रतिशत चार्जर पहले से ही प्रॉफिटेबल लेवल पर काम कर रहे हैं। जुलाई 2025 तक, 35 प्रतिशत टाटा ईवी उपभोक्ता कम से कम एक बार महीने में फास्ट चार्जर का उपयोग करते हैं, जो 2023 में 21 प्रतिशत था। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि पिछले दो सालों में करीब 77 प्रतिशत टाटा ईवी कंज्यूमर्स ने ऐसी यात्राएं की हैं, जिसमें पब्लिक चार्जिंग स्टेशनों की जरूरत थी।

मोदी सरकार ने दिया राजस्थान को 2 प्रोजेक्ट्स का तोहफा

कोटा-बूंदी में ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट को मंजूरी

कोटा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय कैबिनेट की बैठक हुई। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बैठक में 2 प्रोजेक्ट्स को मंजूरी दी गई। इसमें राजस्थान के कोटा-बूंदी में ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट भी शामिल है। ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट के लिए कैबिनेट बैठक में 1507 करोड़ रुपए का बजट दिया है। नागरिक उड्डयन मंत्रालय के अनुसार कोटा ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट का निर्माण दिसंबर 2027 तक पूर्ण कर नियमित विमान सेवा शुरू करने का लक्ष्य रखा है। लोकसभा कैंप कार्यालय और उड्डयन मंत्रालय की ओर से लगातार प्रोजेक्ट की मॉनिटरिंग की जा रही है। इस हवाई अड्डे में 3200 मीटर लंबा और 45 मीटर चौड़ा रनवे होगा। हवाई अड्डे पर सात विमान पार्किंग क्षेत्रों का निर्माण किया जाएगा। यह कोटा शहर से 25 किलोमीटर दूर बनेगा। ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट प्रोजेक्ट के निर्माण से जुड़ी प्रक्रिया में एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एएआई) ने जुलाई 2025 में 384.79 करोड़ का दूसरा टेंडर जारी किया था। इसके तहत नए टर्मिनल भवन, एटीसी टावर, फायर स्टेशन, कार पार्किंग और सिटी साइड डेवलपमेंट जैसे प्रमुख कार्य शामिल थे।

यमुना नदी का जलस्तर बढ़ने से दिल्ली में बाढ़ जैसी स्थिति , घरों में घुसा पानी

सीएम रेखा ने लिया रिहायशी इलाकों का जायजा

नई दिल्ली। दिल्ली फिर बाढ़ की चपेट में है। यमुना बाजार जैसे निचले रिहायशी इलाकों में पानी भर गया है, जिससे लोगों का जीना मुश्किल हो गया है। दिल्ली सीएम रेखा गुप्ता ने प्रभावित इलाकों का दौरा कर हालात का जायजा लिया और लोगों की समस्याएं सुनीं। दिल्ली में यमुना खतरे के निशान को पार कर गई है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक यमुना नदी का जलस्तर खतरे के निशान 205.48 मीटर को पार कर गया है, जिसके चलते यमुना बाजार के निचले इलाकों में बाढ़ का पानी घुस गया है। लोग अपने घरों में कैद हो गए हैं। कई परिवार घर की छतों पर शरण लेने को मजबूर हैं। सीएम रेखा ने कहा कि स्थिति नियंत्रण में है। पानी एक-दो दिन में कम हो जाएगा। हम प्रभावित लोगों को भोजन, पानी और चिकित्सा सुविधाएं मुहैया करा रहे हैं। दिल्ली में बाढ़ जैसी कोई स्थिति नहीं है। वहीं हरियाणा के हथिनीकुंड बैराज से लगातार छोड़ा जा रहा पानी दिल्ली के लिए मुसीबत बन रहा है। हाल ही में बैराज के सभी 18 गेट खोल दिए गए हैं, जिसके बाद यमुना में पानी का प्रवाह एक लाख क्यूसेक को पार कर गया। इस वजह से नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ा और निचले इलाकों में पानी भर गया। विशेषज्ञों का कहना है कि अगर बारिश का सिलसिला जारी रहा, तो स्थिति और गंभीर हो सकती है। दिल्ली सरकार ने बाढ़ से निपटने के लिए कई कदम उठाए हैं। बाढ़ नियंत्रण कक्ष 24 घंटे काम कर रहा है। मोटर बोट, गोताखोर और मेडिकल टीमें हर स्थिति से निपटने के लिए तैयार हैं। यमुना खादर जैसे संवेदनशील इलाकों में लोगों को सुरक्षित स्थानों पर ले जाने की तैयारी है। पिछले साल की बाढ़ के अनुभव को देखते हुए प्रशासन ने इस बार पहले से ही राहत शिविरों की व्यवस्था शुरू कर दी है।

150 एनकाउंटर करने वाले असम के सिंघम आनंद मिश्रा भाजपा में हुए शामिल

पटना। प्रशांत किशोर की जन सुराज पार्टी के युवा विंग के अध्यक्ष और पूर्व आईपीएस अधिकारी आनंद मिश्रा अब भाजपा में शामिल हो गए हैं। पटना में उन्होंने पार्टी की सदस्यता ली। उनके साथ पूर्व केंद्रीय मंत्री नागमणि ने भी भाजपा का दामन थामा। कौन हैं आनंद मिश्रा? आनंद मिश्रा बिहार के आरा जिले के रहने वाले हैं और 2011 बैच के आईपीएस अधिकारी हैं। सिर्फ 22 साल की उम्र में यूपीएससी की परीक्षा पास करने के बाद उन्होंने असम-मेघालय कैडर में अपनी सेवा दी। उन्हें असम के सिंघम के नाम से जाना जाता था और उन्होंने अपने करियर में करीब 150 एनकाउंटर किए। साल 2023 के आखिर में उन्होंने पुलिस सेवा से वीआरएस (स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति) ले लिया और राजनीति में कदम रखा। मिश्रा ने 2024 के लोकसभा चुनाव में बक्सर सीट से निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर चुनाव लड़ा, लेकिन उन्हें हार का सामना करना पड़ा। जन सुराज से भाजपा तक का सफर आनंद मिश्रा का राजनीति में सफर काफी उतार-चढ़ाव भरा रहा है। पहले उन्हें उम्मीद थी कि भाजपा उन्हें बक्सर लोकसभा सीट से टिकट देगी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। इसके बाद उन्होंने प्रशांत किशोर के जन सुराज अभियान से जुड़कर राजनीति में अपनी सक्रियता बनाए रखी और पार्टी में युवा विंग के अध्यक्ष बने। अब, एक साल बाद उन्होंने जन सुराज छोड़कर भाजपा जॉइन कर ली है।

राष्ट्रपति की ओर से दाखिल रेफरेंस पर तमिलनाडु और केरल को आपत्ति

सीजेआई ने कहा गलत क्या

नई दिल्ली। राष्ट्रपति की ओर से सुप्रीम कोर्ट से राय मांगने के खिलाफ दायर याचिकाओं पर शीर्ष अदालत ने मंगलवार को सवाल उठाया। शीर्ष अदालत ने केरल और तमिलनाडु सरकारों की अर्जी पर कहा कि यदि राष्ट्रपति सुप्रीम कोर्ट से राय लेना चाहती हैं तब इसमें गलत क्या है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने संविधान के आर्टिकल 143 का हवाला देकर सुप्रीम कोर्ट में रेफरेंस दायर किया है। इसमें उन्होंने पूछा है कि क्या राज्यपालों और राष्ट्रपति को शीर्ष अदालत की ओर से आदेश दिया जा सकता है। इसी रेफरेंस का तमिलनाडु और केरल ने विरोध किया है। दोनों राज्यों की ओर से कहा गया कि राष्ट्रपति की ओर से दाखिल रेफरेंस सुनवाई के काबिल नहीं है। इस पर चीफ जस्टिस बीआर गवई, जस्टिस सूर्यकांत सहित 5 जजों की बेंच ने कहा कि आखिर इसमें गलत क्या है। अदालत ने राज्य सरकारों के वकीलों से पूछा, यदि राष्ट्रपति अदालत की राय जानना चाहती हैं, तब फिर इसमें गलत क्या है। क्या आप अपनी बात को गंभीरता से कह भी रहे हैं। अदालत ने कहा कि हम यहां सलाह या राय देने की स्थिति में हैं। वहीं अदालत की दलील को सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने चैलेंज किया। उन्होंने कहा कि अदालत इसतरह के किसी फैसले को पलट भी सकती है, जिसमें कोई खामी लग रही हो। इस पर चीफ जस्टिस गवई ने कहा कि हम राय को पलट सकते हैं, लेकिन फैसला नहीं बदल सकते।

भारत दौरा | भारतीय सरजमीन से चीनी विदेश मंत्री की अमेरिका को धमकी

ट्रंप को दो टूक, बदलती दुनिया में एकतरफा धमकियां और फैसले नहीं चलने वाले

अब किसी तरह की दादागिरी नहीं चलेगी

नई दिल्ली। भारत दौरे पर पहुंचे चीनी विदेश मंत्री वांग यी ने कहा है कि भारत-चीन संबंध सहयोग की दिशा में सकारात्मक रुझान दिखा रहे हैं। उन्होंने कहा कि दोनों देशों को एक-दूसरे को प्रतिद्वंद्वी के रूप में नहीं, बल्कि साझेदार के रूप में देखना चाहिए। इस दौरान उन्होंने अमेरिका को भी निशाने पर लेकर कहा कि बदलती दुनिया में एकतरफा धमकियां और फैसले नहीं चलने वाले है। चीनी विदेश मंत्री की यह यात्रा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के वार्षिक शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए चीन दौरे से पहले हो रही है। उन्होंने कहा कि इस साल चीन और भारत के बीच राजनयिक संबंधों की स्थापना की 75वीं वर्षगांठ है और अतीत से सबक सीखा जा सकता है। उनका यह बयान पूर्वी लद्दाख (गलवान घाटी में) में सैन्य गतिरोध के बाद चार साल से अधिक समय तक संबंधों में आई नरमी की ओर इशारा है। उन्होंने कहा कि दोनों देशों को क्षेत्र के पड़ोसी देशों के बीच आपसी सम्मान और विश्वास के साथ सह-अस्तित्व, साझा विकास और सहयोग के लिए सही तरीके तलाशने चाहिए। वांग ने कहा कि चीन सौहार्द, ईमानदारी, पारस्परिक लाभ और साथ मिलकर चलने के सिद्धांतों को कायम रखने, भारत सहित पड़ोसी देशों के साथ मिलकर शांतिपूर्ण, सुरक्षित, समृद्ध, और मैत्रीपूर्ण दुनिया बनाने के लिए काम करने को तैयार है। चीनी विदेश मंत्री ने कहा कि भारत-चीन को एक-दूसरे के प्रति आश्वस्त रहना चाहिए, एक ही दिशा में आगे बढ़ना चाहिए, मुश्किलों को दूर, सहयोग का विस्तार करना चाहिए और द्विपक्षीय संबंधों की गति को बढ़ाना चाहिए। सीमा विवाद मसले पर एनएसए डोभाल से मुलाकात उन्होंने कहा कि दोनों पक्ष अपने नेताओं की आम सहमति को जमीन पर उतारने की दिशा में काम कर रहे हैं और धीरे-धीरे वार्ता की दिशा में कदम बढ़ रहे हैं।

चीनी विदेश मंत्री ने की अमेरिका की आलोचना

वांग ने भारत दौरे में अमेरिका की आलोचना की है। अप्रत्यक्ष रूप से अमेरिका की आलोचना कर चीनी विदेश मंत्री ने कहा कि दुनिया बदल रही है और इस बीच एकतरफा तरीके से धमकाने का ट्रेंड भी बढ़ता जा रहा है जो कि अब नहीं स्वीकार किया जाएगा। वांग ने कहा कि 2.8 अरब से अधिक की संयुक्त जनसंख्या वाले दो सबसे बड़े विकासशील देशों के रूप में, चीन और भारत को वैश्विक जिम्मेदारी की भावना दिखानी चाहिए, बड़ी शक्तियों के रूप में काम करना चाहिए, एकता के जरिए शक्ति हासिल कर विकासशील देशों के लिए एक उदाहरण स्थापित करना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत और चीन को बहुध्रुवीय दुनिया में योगदान देना और अंतरराष्ट्रीय संबंधों के लोकतंत्रीकरण को बढ़ावा देने में योगदान देना चाहिए।

सार-समाचार

मध्यप्रदेश की नदियाँ भारत की सनातन संस्कृति की संवाहक : मुख्यमंत्री

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि भारत का हृदय मध्यप्रदेश, यहां के अप्रतिम प्राकृतिक सौंदर्य और अथाह, अविरल जल राशि के लिए समूचे विश्व में जाना जाता है। मध्यप्रदेश में बहने वाली नदियां भारत की सनातन संस्कृति की संवाहक हैं, जिनके किनारे सदियों से हमारी शाश्वत सभ्यता फल फूल रही है। यहाँ की पहचान केवल प्राचीन धरोहरों, मंदिरों, किलों और जनजातीय संस्कृति तक ही सीमित नहीं है, बल्कि यहाँ की छोटी-बड़ी 750-800 नदियों से भी है। प्रदेश की इस समृद्ध जल राशि के कारण ही मध्यप्रदेश को नदियों का मायका कहा जाता है। मध्यप्रदेश से उद्गमित छोटी-बड़ी नदियाँ, गंगा, नर्मदा, ताप्ती, गोदावरी, माही और महानदी जैसे विशाल नदी प्रवाह तंत्रों में समाहित होकर पूरे भारत की जीवन-रेखा बनाती हैं। मध्यप्रदेश की नदियाँ केवल भौतिक जल स्रोत नहीं, बल्कि संस्कृति की वाहक भी हैं। नदियों के किनारे प्राचीन नगरों, धार्मिक स्थलों और व्यापारिक मार्गों का विकास हुआ। क्षिप्रा नदी के तट पर बसा उज्जैन प्राचीन समय से ही खगोल विज्ञान और श्री महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग के कारण धार्मिक आस्था का केंद्र रहा है। प्राचीन उज्जयिनी सिंहस्थ कुंभ समागम का तीर्थ क्षेत्र भी है। नर्मदा नदी के तट पर बसे महेश्वर और ओंकारेश्वर शहर शैव परंपरा के प्रमुख तीर्थ-स्थल हैं। ओंकारेश्वर 12 ज्योतिर्लिंगों में एक है। बेतवा नदी के तट औ? प्रवाह क्षेत्र के ओरछा, सांची और विदिशा मध्यकालीन भारत की सांस्कृतिक यशोगाथा के प्रतीक होने के साथ ही बौद्ध संस्कृति के उदयावसान के साक्षी भी रहे हैं। मध्यप्रदेश का अधिकांश भूभाग विंध्य और सतपुड़ा की पहाड़ियों से आच्छादित है। यही कारण है कि यह अनेक महत्वपूर्ण नदियों का उद्गम स्थल है। नर्मदा और ताप्ती पश्चिम की ओर बहने वाली नदियाँ हैं, जबकि सोन, क्षिप्रा, चंबल, बेतवा उत्तर और पूर्व की ओर बहकर अपनी अथाह जलराशि के साथ गंगा-यमुना में समाहित हो जाती हैं। माही, वैंगंगा, तवा जैसी नदियाँ भी अलग-अलग बेसिन को जल-पोषित करती हैं। इस भौगोलिक विविधता ने ही प्रदेश को नदी समृद्ध राज्य के रूप में प्रतिष्ठा दी है। पुण्य सलिला मां नर्मदा का दूसरा नाम रेवा भी है। भगवान शिव की पुत्री मानी जाने वाली रेवा मध्यप्रदेश और गुजरात दोनों की जीवन रेखा है। मान्यता है कि मां नर्मदा के दर्शन मात्र से गंगा स्नान का पुण्य मिलता है। श्रद्धालुओं के लिए 3000 किमी से अधिक लंबी नर्मदा परिक्रमा जीवन का सबसे बड़ा तप माना जाता है। मां नर्मदा अमरकंटक से जन्म लेकर लेकर जबलपुर में धुआंधार जलप्रपात बनाती हुई गुजरात को अभिसिंचित कर लगभग 1312 किलोमीटर की यात्रा तय कर अरब सागर की खंभात की खाड़ी में विराम पाती हैं। महाभारत काल में चंबल नदी का नाम चर्मणवती था। यह भगवान परशुराम के जन्म-स्थल जानापाव से निकली। यह राजस्थान और मध्यप्रदेश की सीमा बनाती है। जानापाव से निकलकर चंबल नदी मध्यप्रदेश-उत्तर प्रदेश की सीमा पर स्थित पंचनदा संगम पर यमुना में परिमित जलराशि के साथ समाहित हो जाती है। बेतवा (वेत्रवती) को मध्यप्रदेश की गंगा भी कहा जाता है। इसके तट पर राम राजा का ऐतिहासिक शहर ओरछा बसा है। विदिशा और सांची जैसे नगरों को भी इसने पोषित किया है। विंध्यांचल पर्वत से निकल कर लगभग 590 किलोमीटर दूरी तय कर यमुना नदी में जा मिलती है। मोझदायिनी क्षिप्रा नदी के तट पर प्राचीन उज्जयिनी शहर बसा है। ज्योतिर्लिंग श्री महाकालेश्वर और सिंहस्थ कुम्भ समागम का यह तीर्थ क्षेत्र विश्वविख्यात है। क्षिप्रा को भी मालवा की गंगा कहा जाता है। क्षिप्रा नदी इंदौर जिले में उज्जैनी-मुंडला गांव के ककड़ी-बड़ली नामक स्थान से निकल कर लगभग 195 किलोमीटर की यात्रा के बाद चंबल नदी में मिल जाती है। रामायण और महाभारत में सोन नदी का उल्लेख मिलता है। इसे पुरुष वाचक नद की संज्ञा भी दी गई है। महर्षि वाल्मीकि ने इसे सुभद्र कहा है। यह नदी प्रदेश में शहडोल और रीवा के क्षेत्रों को सींचती हुई बिहार में प्रवेश कर लगभग 784 किलोमीटर लंबी यात्रा के बाद पतितपावनी गंगा से संगम करती है।

अवैध रूप से ट्रांसफार्मर स्थापित कर बिजली चोरी करने पर थाना बाड़ी में आरोपियों के विरूद्ध एफआईआर दर्ज करने की कार्यवाही

भोपाल/रायसेन। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा रायसेन वृत्त के बरेली संभाग अंतर्गत वितरण केंद्र बाड़ी के ग्राम उरदमऊ में अवैध रूप से 25 के.व्ही.ए के दो ट्रांसफार्मर रखकर बिजली का उपयोग करने पर कंपनी द्वारा आरोपियों के विरूद्ध विद्युत अधिनियम 2003 की धारा 135 के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर थाना बाड़ी में एफआईआर दर्ज कराने की कार्यवाही की गई है। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के सहायक प्रबंधक बाड़ी वितरण केंद्र ने बताया है कि कंपनी के विजिलेंस दल द्वारा विद्युत लाइनों के निरीक्षण एवं चेकिंग के दौरान 11 के.व्ही. दिगबाड़ फीडर से बिना अनुमति अवैध रूप से लाइन का विस्तार कर 25 के.व्ही.ए. क्षमता के दो ट्रांसफार्मर स्थापित कर विद्युत चोरी करते पाए जाने पर आरोपियों के विरूद्ध विद्युत अधिनियम 2003 की धारा 135 के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर थाना बाड़ी में एफआईआर दर्ज कराने की कार्यवाही की गई है। कंपनी द्वारा इस दौरान अवैध कनेक्शन पर पंचनामा बनाकर डिस्कनेक्शन करते हुए अवैध रूप से रखे गये 25 केवीए के दो ट्रांसफार्मर, कंडक्टर एवं अन्य सामग्री को भी जब्त किया गया है। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने कहा है कि अनधिकृत रूप से लाइन का विस्तार एवं अवैध रूप से ट्रांसफार्मर रखकर विद्युत चोरी करने से विद्युत आपूर्ति व्यवस्था गंभीर रूप से प्रभावित होती है। इससे दुर्घटनाओं की संभावना बढ़ जाती है तथा विभाग को आर्थिक क्षति भी होती है। कंपनी ने बताया है कि इस प्रकार से अवैध गतिविधियाँ पाई जाती हैं तो संबंधित दोषियों के विरुद्ध कंपनी द्वारा कठोर दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। कंपनी ने आमजनों से अपील की है कि अनधिकृत रूप से विद्युत का उपयोग न करें तथा कंपनी से अनुमति प्राप्त कर नियमों का पालन करते हुए लाइनों एवं विद्युत संबंधी कार्य किये जाएं, जिससे सुरक्षित एवं सतत विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित की जा सके।

माटी गणेश सिद्ध गणेश प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ

दैनिक भेल पॉवर

भोपाल। मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद, जिला भोपाल द्वारा नगर के वार्ड क्रमांक 12 एवं 14 में माटी गणेश सिद्ध गणेश प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। यह प्रशिक्षण मंगलवार को एमबीएन्ट हाईस्कूल, टीलाजमालपुरा तथा सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, नारियल खेड़ा में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में कला प्रशिक्षक श्री लखन प्रजापति ने बच्चों को स्वयं अपने हाथों से मिट्टी के गणेश बनाने का प्रशिक्षण दिया। जन अभियान परिषद जिला भोपाल की ब्लॉक समन्वयक श्रीमती टीना शर्मा ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए प्रेरित किया कि प्रत्येक घर में स्वनिर्मित गणेश प्रतिमा ही स्थापित करें और इस संदेश को अधिक से अधिक लोगों तक पहुँचाएं। प्रशिक्षण कार्यक्रम में विद्यालय का स्टाफ, नगर विकास प्रस्फुटन समिति गौतम नगर के श्री उमेश दांगी सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उत्साहपूर्वक उपस्थित रहे।

बंसल समूह में दीक्षारम्भ - २०२५ समारोह का आयोजन

दैनिक भेल पॉवर

बंसल समूह के कोकता, आनंद नगर, स्थित इंजीनियरिंग महाविद्यालय में आज सत्र 2025-26 हेतु इंजीनियरिंग में प्रवेशित नवीन विद्यार्थियों के स्वागत एवं उन्मुखीकरण हेतु दीक्षारम्भ-२०२५ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ ज्ञान की देवी सरस्वती जी की वंदना से हुआ। समारोह के मुख्य अतिथि, श्री शरद द्विवेदी, संपादक, बंसल न्यूज रहे। समारोह के विशेष अतिथि के तौर पर बंसल समूह की बोर्ड मेम्बर श्रीमती पूजा बंसल तथा प्रबन्ध निदेशक श्री पार्थ बंसल ने संस्थान की शत-प्रतिशत सीटें भर जाने पर संस्था के सभी सदस्यों का अभिवादन किया। कार्यक्रम में पधारे हुए अतिथिगणों, छात्रों एवं अभिभावकों हेतु स्वागत संदेश में डॉ. वी. के द्विवेदी, निदेशक, बी.आई.आर.टी., ने छात्रों को भविष्य के मार्गदर्शन पर प्रेरक व्याख्यान देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। वहीं बी.आई.एस.टी निदेशक डॉ. दामोदर तिवारी ने सम्पूर्ण मध्य प्रदेश में सर्वप्रथम शिक्षा-सत्र आरम्भ करने पर बंसल समूह के सभी सदस्यों को बधाई दी। इसी क्रम में संस्था के सीनियर छात्रों ने विभिन्न सांस्कृतिक एवं रंगारंग प्रस्तुतियाँ दी। मुख्य अतिथि श्री शरद द्विवेदी जी ने अपना अभिभाषण भारत माता की जय के उद्घोष के साथ आरम्भ करते हुए समारोह में उपस्थित अतिथिगणों, छात्रों एवं अभिभावकों से अपने निजी एवं विद्यार्थी जीवन के अनुभव साझा किए। अपने अभिभाषण का अंत में उन्होंने भारतीय इतिहास के विभिन्न महापुरुषों के उदाहरण देते हुए छात्रों को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के विकसित भारत के लक्ष्य के प्रति दृड़ संकल्पित होने हेतु प्रेरित किया।

स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में स्मोलेंस्क (रूस) के मेयर ने महापौर श्रीमती मालती राय को भेजा शुभकामना संदेश

दैनिक भेल पॉवर

भोपाल। भारत की स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में रूस के स्मोलेंस्क शहर के महापौर श्री ए.ए.नोवीकोव ने भोपाल की महापौर श्रीमती मालती राय को शुभकामना संदेश प्रेषित किया है। महापौर श्रीमती मालती राय को स्मोलेंस्क के मेयर श्री नोवीकोव द्वारा प्रेषित शुभकामना संदेश मंगलवार को आई.एस.बी.टी स्थित महापौर कार्यालय में फेडरेशन ऑफ चेम्बर ऑफ कॉमर्स एण्ड इण्डस्ट्रीज भोपाल के सचिव श्री प्रवीण आचार्य ने भेंट किया। रूस के विजय दिवस के अवसर पर स्मोलेंस्क शहर में आयोजित समारोह में भोपाल की महापौर श्रीमती मालती राय राज्य अतिथि के रूप में सम्मिलित हुई थी। स्मोलेंस्क की यात्रा के दौरान मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल और रूस के स्मोलेंस्क शहर के बीच सांस्कृतिक, शैक्षणिक और आर्थिक सहयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से सिस्टर सिटी समझौते के अन्तर्गत प्रोटोकाल ऑफ इंटेंट पर हस्ताक्षर किये गये थे। स्मोलेंस्क के मेयर श्री नोवीकोव द्वारा यह शुभकामना संदेश दोनों शहरों के बीच बढ़ते सहयोग और मैत्रीपूर्ण संबंधों का प्रतीक है और शहर के नागरिकों को गौरवान्वित करने वाला भी है।

भोपाल ग्रामीण से निकाले गये पुराने मीटरों में विद्युत चोरी के 6 मामले पकड़े

स्मार्ट मीटर निकले पूरी तरह पारदर्शी और सटीक

- 1 लाख 27 हजार की बिलिंग, आरोपी उपभोक्ताओं ने जमा किये 01 लाख 20 हजार रुपए

दैनिक भेल पॉवर

भोपाल। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा पूरे कंपनी कार्यक्षेत्र में अब तक 3 लाख 35 हजार से अधिक स्मार्ट मीटर स्थापित कर दिये गये हैं। स्मार्ट मीटर की स्थापना के दौरान कंपनी द्वारा पुराने मीटरों को बदला जा रहा है और उपभोक्ता परिसरों में नये स्मार्ट मीटर स्थापित किये जा रहे हैं। भोपाल ग्रामीण में स्मार्ट मीटर की स्थापना के दौरान उपभोक्ता परिसरों से निकाले गये पुराने मीटरों की एनएबीएल लैब में चेकिंग के दौरान चौकाने वाले तथ्य सामने आये हैं। उपभोक्ताओं के परिसर से निकाले गये ऐसे पुराने मीटरों में तकनीकी खराबी कर रेजिस्टेंस या अन्य छेड़छाड़ की गड़बड़ी के 06 मामले पकड़े गये हैं। इन गड़बड़ी वाले आरोपी उपभोक्ताओं पर कंपनी द्वारा 01 लाख 27 हजार की बिलिंग की गई है जिसमें से 05 मामलों में उपभोक्ताओं द्वारा मीटर में गड़बड़ी की बात स्वीकार कर 01 लाख 20 हजार की राशि कंपनी के खाते में जमा कराई है। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने स्पष्ट किया है कि ऐसे मामले यह रेखांकित करते हैं कि स्मार्ट मीटर प्रभावी है और उसके द्वारा दर्ज खपत भी सटीक है। कंपनी ने यह भी कहा है कि स्मार्ट मीटर लगाने का कार्य तेजी से जारी है और इस दौरान उपभोक्ता परिसरों के मीटरों की जॉच और चेकिंग लगातार जारी रहेगी।

अस्थाई कनेक्शन लेकर ही झांकी-पंडाल की सज्जा करें

- आवेदन में दर्शाए अनुसार विद्युत भार के अनुरूप सुरक्षा निधि एवं अनुमानित विद्युत उपभोग की राशि अग्रिम जमा कराकर बिजली कंपनी से अस्थाई कनेक्शन की रसीद अवश्य लें। रसीद की लेमीनेटेड प्रति अनिवार्य रूप से पंडाल/झॉकी के सामने लगाएं।

दैनिक भेल पॉवर

भोपाल। गणेशोत्सव त्यौहार (27 अगस्त) तथा अन्य त्यौहारों में पंडालों को अस्थायी कनेक्शन देने के लिए मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने माकूल प्रबंध किए हैं। कंपनी ने धार्मिक उत्सव समितियों और बिजली उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे गणेशोत्सव के दौरान धार्मिक पण्डालों एवं झॉकियों में बिजली साज-सज्जा,नियमानुसार ऑनलाइन अस्थाई कनेक्शन लेकर ही करें।

अस्थाई कनेक्शन लेने हेतु क्या करें-

बिजली कंपनी के पोर्टल http://saralsanyojan.mpcz.in:8888/home पर जाकर निर्धारित प्रपत्र में सही, संयोजित विद्युत भार को दशार्ते हुए अस्थायी कनेक्शन हेतु ऑनलाइन आवेदन प्रस्तुत करें। लायसेंसी विद्युत ठेकेदार की टेस्ट रिपोर्ट आवेदन में संलग्न करें एवं वायरिंग इत्यादि लायसेंसधारी विद्युत ठेकेदार से ही करवाएं। आवेदन में दर्शाए अनुसार विद्युत भार के अनुरूप सुरक्षा निधि एवं अनुमानित विद्युत उपभोग की राशि अग्रिम जमा कराकर बिजली कंपनी से अस्थाई कनेक्शन की रसीद अवश्य लें। रसीद की लेमीनेटेड प्रति अनिवार्य रूप से पंडाल/झॉकी के सामने लगाएं। आवेदित विद्युत भार से अधिक भार का उपयोग विद्युत साज-सज्जा के लिए न करें। विद्युत कनेक्शन मीटरीकृत होगा एवं विद्युत देयक की बिलिंग नियमानुसार अस्थायी कनेक्शन हेतु लागू घरेलू दर पर की जाएगी। झांकियों के निर्माण एवं विद्युत साज-सज्जा में सुरक्षा नियमों का अनिवार्य रूप से पालन करें। अनधिकृत तरीके से विद्युत का उपयोग न करें। अधिक जानकारी के लिए कंपनी के टोल फ्री नंबर 1912 पर भी कॉल कर सकते हैं।

अस्थाई कनेक्शन न लेने से होने वाले नुकसान-

अधिक भार से ट्रांसफार्मर के जलने की संभावना तथा दुर्घटना की आशंका। पारेषण एव वितरण प्रणाली पर विपरीत असर होने से अंधेरे की संभावना। अनधिकृत विद्युत उपयोग करने पर इलेक्ट्रिसिटी एक्ट 2003 के तहत उपयोगकर्ता एवं जिस विद्युत ठेकेदार से कार्य कराया गया है, उनके विरूद्ध वैधानिक कार्यवाही। अनधिकृत विद्युत उपयोग की दशा में संबंधित विद्युत ठेकेदार के लायसेंस निरस्तीकरण की कार्यवाही।

मुख्यमंत्री मोहन यादव को नरसिंहगढ़ विधायक द्वारा पार्थिव शिवलिंग निर्माण में शामिल होने का दिया निमंत्रण

मुख्यमंत्री मोहन यादव को विधायक मोहन शर्मा ने दिया पार्थिव शिवलिंग आयोजन का आमंत्रण

- पदाधिकारी व कार्यकताओं द्वारा मुख्यमंत्री का जताया आभार

दैनिक भेल पॉवर

नरसिंहगढ़। मंगलवार को दोपहर 1:00 बजे के करीब भोपाल वल्लभ भवन कार्यालय में मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव को विधायक मोहन शर्मा भाजपा नेता व कार्यकताओं के साथ पहुंचकर आगामी 29 अगस्त से 4 सितंबर तक नरसिंहगढ़ में होने वाले सवा करोड़ पार्थिव शिवलिंग के सात दिवसीय आयोजन का आमंत्रण पत्र दिया इस आमंत्रण को मुख्यमंत्री द्वारा सहर्ष स्वीकारते हुए आयोजन में आने का आश्वासन भी दिया साथ ही बीते 7 अगस्त को रक्षाबंधन के अवसर के पूर्व लाडली बहन योजना की किस्त डालने आए मुख्यमंत्री ने नरसिंहगढ़ में बाबा बैजनाथ धाम लोक बनाने व उसके जीर्णोद्धार करने, तलेन में आसपास ग्रामीण क्षेत्रों में जल आपूर्ति के लिए नमार्दा कालीसिंध नेवज परियोजना से जोड़ने एवं कुरावर में महाविद्यालय खोलने तथा नगर में चार प्रवेश द्वार बनाने की घोषणा पर नरसिंहगढ़ कुरावर तलेन बोड़ा मंडावर झाड़ला आदि मंडलो के मंडल अध्यक्ष वरिष्ठ नेता व कार्यकर्ता वा आम नागरिको तथा सवा करोड़ पार्थिव शिवलिंग निर्माण समिति द्वारा मुख्यमंत्री का आभार जताया है। इस मौके पर विधायक मोहन शर्मा के साथ सभी भाजपा पदाधिकारी मंडल अध्यक्ष देवेंद्र सिंह परमार बृजमोहन गुर्जर सुरजन सिंह राजपूत विजय सिंह रुहेला रवि मीणा दिनेश मंडलोई भाजपा के वरिष्ठ नेता ब्रजकिशोर मीणा भारतझवर शिवा वैद मुकेश गुप्ता पूर्व मंडल अध्यक्ष सत्येंद्र सिंह राठौड़ रमेश मालवीय कुरावर नगर पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि बाला प्रसाद चद्रवंशीवंशी बोड़ा नगर पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि करण जायसवाल तलेन नगर पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि अरुण यादव महामंत्री लखन सिंह राजपूत रामेश्वर नायक भूपेंद्र सिंह भदोरिया मोनूशर्मा दिनेश नागर महेश भावसार रवि शर्मा वरिष्ठ नेतागण उपस्थित थे।

जनसुनवाई में अधिकारियों ने सुनी आवेदकों की समस्याएं

जनसुनवाई में 140 आवेदन प्राप्त हुए

दैनिक भेल पॉवर

भोपाल। कलेक्टर श्री कौशलेंद्र विक्रम सिंह के निर्देशन में सीईओ जिला पंचायत श्रीमती इला तिवारी ने मंगलवार को जिले से जनसुनवाई में आए नागरिकों की समस्याएं सुनीं। इस दौरान अनेक समस्याओं का निराकरण मौके पर ही किया गया। जनसुनवाई में आए नागरिकों से 140 आवेदन प्राप्त हुए। इस मौके पर एडीएम श्री अंकुर मेश्राम,श्री पी.सी.शाक्य एवं अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। सीईओ जिला पंचायत श्रीमती इला तिवारी ने जनसुनवाई में आए हर एक आवेदक से धैर्यपूर्वक उनकी समस्याओं पर चर्चा की और उन्हें उनके शीघ्र निराकरण का आश्वासन भी दिया। उन्होंने मौके पर मौजूद अधिकारियों को नागरिकों से प्राप्त आवेदनों पर संवेदनशील रूख अपनाते हुए निराकरण करने के निर्देश दिए। उन्होंने आवेदकों की समस्याओं पर संबंधित क्षेत्र के अधिकारियों को कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

18 लाख रुपये की लागत से बरखेड़ी क्षेत्र में सीमेंट क्रांकीटीकृत सड़कों एवं नालियों का होगा निर्माण

महापौर श्रीमती मालती राय ने किया निर्माण कार्यों हेतु भूमिपूजन

दैनिक भेल पॉवर

भोपाल। महापौर श्रीमती मालती राय ने बरखेड़ी क्षेत्र में लगभग 18 लाख रुपये की लागत से निर्मित होने वाली सीमेंट क्रांकीटीकृत सड़क एवं नालियों के निर्माण हेतु भूमिपूजन किया। भूमिपूजन अवसर पर पूर्व विधायक श्री ध्रुव नारायण सिंह सहित बड़ी संख्या में नागरिक मौजूद थे। महापौर श्रीमती मालती राय ने मंगलवार को वार्ड क्र. 35 के अंतर्गत बरखेड़ी क्षेत्र में सीमेंट क्रांकीटीकृत सड़कों एवं नाली निर्माण कार्यों हेतु विधिवत भूमिपूजन किया। नगर निगम द्वारा नागरिकों को आवागमन में सुविधा एवं जल की निकासी सुव्यवस्थित करने के दृष्टिगत लगभग 18 लाख रुपये की लागत से सीमेंट क्रांकीटीकरण एवं नाली निर्माण कार्य कराया जा रहा है। भूमिपूजन अवसर पर पूर्व पार्षद श्री दिनेश यादव, श्री राम मोहन साहू के अलावा श्री नवल प्रजापति, श्रीमती साधना यादव, श्री हेमंत जोगी आदि सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक मौजूद थे।

स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष में देश भक्ति तरानों की प्रस्तुति

दैनिक भेल पॉवर

संतनगर। उपनगर में स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष में मॉर्निंग स्पॉट एंड सिंगिंग ग्रुप द्वारा देश भक्ति गीत संगीत कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें उपनगर के कलाकारों द्वारा अपने मधुर स्वर में अपनी प्रतिभा को प्रदर्शित किया गया। इस अवसर पर हीरो हिंदू फैंस क्लब के अध्यक्ष हीरो इसरानी ने भी देशभक्ति तरानो की प्रस्तुति देकर श्रोताओं का मन मोह लिया। कार्यक्रम में इस बार बड़ी संख्या में स्वर साधकों ने देशभक्ति के तराने प्रस्तुत किये ।

एनजीटी की रोक के बावजूद नर्मदा नदी में रेत का अवैध उत्खनन जारी

माइनिंग विभाग की कार्रवाई से खुलासा, अवैध माफिया बेरोकटोक छलनी कर रहे नर्मदा का सीना

माइनिंग विभाग ने जब्त की 7 पनडुब्बी

दैनिक भेल पॉवर

सीहोर। नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) की रोक के बावजूद जिले में रेत माफियाओं के हौसले बुलंद हैं। नर्मदा नदी में धड़ल्ले से रेत का अवैध उत्खनन किया जा रहा है, जिससे नदी के अस्तित्व पर खतरा मंडरा रहा है। बीती रात खनिज विभाग द्वारा की गई कार्रवाई ने ही इस बात की पुष्टि की है। दरअसल, सूचना के बाद खनिज विभाग का अमला छीपानेर गांव के चोरसाखेड़ी नर्मदाघाट पहुंचा था, जहां बेरोकटोक रेत के अवैध माफिया नर्मदा का सीना छलनी कर रहे थे। खनिज अमले की टीम को देखते ही नर्मदा नदी से रेत निकाल रहे माफिया नर्मदा नदी में छलांग मारकर फरार हो गए, जबकि खनिज अमला महज 7 पनडुब्बी जब्त करने में सफल रहा है। न जाने कब से चल रहा था खनन गौरतलब है कि नदी का अस्तित्व बचाए रखने के लिए एनजीटी द्वारा बारिश के दिनों में नर्मदा नदी से रेत के खनन पर प्रतिबंध लगाया जाता है, बावजूद खनिज अमले की हीलाहवाली के कारण बेरोक टोक तरीके से नर्मदा नदी से रेत खनन का काम जारी रहता है। इस बात का खुलासा बीती रात खनिज अमले की कार्रवाई से हुआ है। इस कार्रवाई के बाद अब सवाल उठ रहे हैं कि ना जाने यह रेत निकालने का काम कब से चल रहा था।

नौकरी करने के बावजूद एक-एक पैसे को तरस रहे युवा

दैनिक भेल पॉवर

नरसिंहपुर। भोपाल की या दिल्ली की सरकार रोजगार देने की बड़ी-बड़ी गारंटी देती है !लेकिन जो अस्थायी तौर पर युवाओं को लगाया गया है उन्हें ही अनेक माह से ही तनख्वाह प्राप्त नहीं हुई, अपने परिवार का पालन पोषण वह उधारी लेकर कर रहे हैं! क्या ऐसे ही सरकार रोजगार देगी, युवाओं को जिसके लिए उन्हें अपनी तन्खा लेने के लिए ज्ञापन देना पड़े इसलिए कहा है की घोषणा करना और प्रमाण पत्र बांटना सरल है! लेकिन युवाओं को रोजगार देना और उनकी तनख्वाह देना इतना कठिन है क्या ऐसे में सवाल तो खड़े होंगे कि आखिर सर्वेयरो से कार्य करवाए उनकी तनख्वाह कब देगी सरकार पहले तहसीलों में ज्ञापन दे चुके अब दिया जनसुनवाई मे देखो कब तक उनकी सुनवाई होती है यह अपने आप में सवाल खड़ा करता है कब तक उधारी का राशन लेकर वह अपने परिवार का पालन पोषण करते हैं अब यह तो आने वाला समय ही बताएगा जबकि यहां डबल इंजन की सरकार उसके बावजूद भी युवाओं का यह हाल कार्य करने के बाद उनके परिश्रम समय पर न मिलाना ऐसे में तो सवाल खड़े होंगे की भाषण देना और धरातल पर कार्य करना दोनों में बहुत फर्क है।

अपना मकान होने के बावजूद सड़कों पर सोने को मजबूर एक बुजुर्ग

इंसाफ के लिए अनेक वर्षों से लगा रहा चक्कर

दैनिक भेल पॉवर

गाडरवारा। बोहानी के अंतर्गत का मामला विगत,दो जनसुनवाई से चक्कर लगा रहा है इससे पहले अनेक बरसों से गाडरवारा के अधिकारियों के चक्कर लगाकर जब पैर में भी छाले पड़ गए तो वह दिन मजदूरी करने वाला सड़कों पर सोने वाला एक, महागरीब,बुजुर्ग हरि महोबिया अब जनसुनवाई में, इंसाफ के लिए मारामारा घूम रहा है! उसका कहना है कि कुछ दबंगों द्वारा मेरे मकान पर कब्जा करवा दिया गया, अब मेरी जान को भी खतरा है! मेरा मकान होने के बावजूद भी मैं बनी मजदूरी करके कभी प्रतीक्षालय में कभी सड़कों पर सोने को मजबूर हू यह बात मीडिया कर्मियों को अपनी दुख भरी दास्तां बताई बामुश्किल से एक-एक पैसा जोड़कर मैं किराया लगाकर अब जनसुनवाई में आ रहा हूं, कि मेरे मरने से पहले इंसाफ मिल जाए, अब जांच के बाद ही पूरी कहानी स्पष्ट होंगी की आखिर मामला क्या है! ओर इंसाफ में इतनी देरी क्यों हुई या फिर कुछ और बात है!

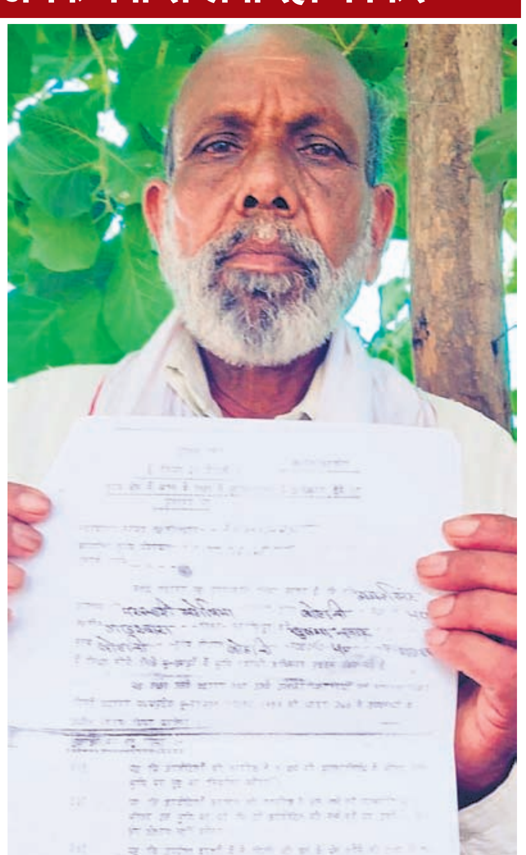

विधायक सुदेश राय आज करेंगे निर्माण कार्यों का लोकार्पण-भूमि पूजन

दैनिक भेल पॉवर

सीहोर। बुधवार को विधायक सुदेश राय विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत अंचल में विकास कार्यों की सौगात देंगे, इस दौरान वह अनेक लोकार्पण व भूमिपूजन करेंगे. विधायक श्री राय श्यामपुर में बीस लाख रुपए की लागत से चौपड़ा वाले हनुमान मंदिर में बनने वाले टीनशेड और शेखपुरा में 24 लाख 90 हजार की लागत से बनने वाले मांगलिक भवन व पांच लाख से बनने वाले टीनशेड एवं एक लाख पचास हजार रुपए की लागत से बनने वाली पुलिया निर्माण सहित एक लाख पचास हजार रुपए से बनने वाले देवस्थल चबूतरा छत निर्माण एवं वहीदगंज में एक लाख पचास हजार के शमशान शेड निर्माण का भूमिपूजन करेंगे। इसी दिन विधायक सुदेश राय श्यामपुर में पंद्रह लाख रुपए से बनी शमशान घाट की बाउंड्रीवाल, दस लाख रुपए से चौपड़ा हनुमान मंदिर बनी बाउंड्रीवाल और दस लाख रुपए से बनकर तैयार हुई सार्वजनिक धर्मशाला की बाउंड्रीवाल सहित नौ लाख पचास हजार से बनकर तैयार हुए आंगनबाड़ी भवन का लोकार्पण करेंगे।

विदिशा : सेन्ट्रल एकेडमी स्कूल के छात्र अमन जाटव का नीट में फेशर चयन

दैनिक भेल पॉवर

विदिशा। सेन्ट्रल एकेडमी हा.से. स्कूल के छात्र अमन जाटव ने प्रथम प्रयास में ही नीट परीक्षा उत्तीर्ण कर उल्लेखनीय सफलता अर्जित की है। अमन ने कक्षा 12वीं में 87.6 प्रतिशत अंक प्राप्त किए थे तथा नीट परीक्षा में 1,75,763 ऑल इंडिया रैंक हासिल कर नंदकुमार चौहान शासकीय मेडिकल कॉलेज, खंडवा में प्रवेश पाया है। अमन ग्राम मियाखेड़ी (नटेरन) के निवासी हैं। वे आर्मी में सेवारत नवल सिंह जाटव एवं श्रीमती हेमलता जाटव के पुत्र हैं। अमन की इस उपलब्धि पर गांव के लोगों, मित्रों और सामाजिक रिश्तेदारों में हर्ष की लहर है। सभी ने अमन को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की तथा सेन्ट्रल एकेडमी स्कूल प्रबंधन का आभार व्यक्त किया। अमन ने अपनी सफलता का श्रेय टारगेट एकेडमी के संचालक डॉ. प्रेमशंकर शर्मा (केमेस्ट्री एवं फिजिक्स), सेन्ट्रल एकेडमी स्कूल की संचालिका डॉ. अर्चना शर्मा (बायोलॉजी) तथा अपने माता-पिता के मार्गदर्शन और सहयोग को दिया है।

सेमरा खास 600 करोड़ की परियोजना से किसानों को नहीं मिला लाभ –कुंवर बलबीर सिंह तोमर

दैनिक भेल पॉवर

रायसेन। सिलवानी के तहत सेमरा खास परियोजना 600 करोड़ की लागत से तैयार की गई पर इसका लाभ अभी तक किसानों को नहीं मिला है। इस परियोजना में करोड़ों का घोटाला हुआ है, वहीं रायसेन जिले में अवैध शराब की दुकानें चल रही हैं। इस पर प्रशासन द्वारा कोई कार्यवाही नहीं की जा रही है। इन सभी समस्याओं को लेकर बहुत जल्द ही गोंडवाना गणतंत्र पार्टी आंदोलन करेगी।

यह बात आज रायसेन सर्किट हाउस में पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव कुवंर बलबीर सिंह तोमर ने कही। उन्होंने पत्रकारों को बताया कि जिले में शराब की शासकीय दुकानों को छोड़कर प्रत्येक ग्राम पंचायतों में अवैध रूप से शराब दुकानें चल रही हैं। इन्हें बंद होना चाहिए। अवैध शराब का बड़े पैमाने पर कारोबार हो रहा है। मैं प्रेस के माध्यम से रायसेन पुलिस अधीक्षक से मांग करता हूं कि इस पर तुरंत कार्रवाई की जाए। श्री तोमर ने बताया कि सड़क निर्माण हुआ पर इसमें भारी भ्रष्टाचार है। इन सभी मुद्दों पर जांच होने की जरूरत है। श्री तोमर ने पत्रकारों के अनेक सवालों के जवाब भी दिए।

उफनते रपटे पर फंसे परिवार के लिए देवदूत बनी पुलिस, रेस्क्यू कर निकाला बाहर

दैनिक भेल पॉवर

सीहोर। बीती सोमवार की रात भैरुंदा पुलिस एक परिवार के लिए देवदूत बनी। दरअसल, क्षेत्र में हुई तेज बारिश के चलते तजपुरा-कोटरा के बीच रपटे पर पानी बह रहा था। इस दौरान एक परिवार कार सहित इस रपटे से निकलने का प्रयास कर रहा था, जो बीच रपटे पर ही फंस गया।

पुलिस को सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचे रेस्क्यू अभियान चलाया। पुलिस के अनुसार यह घटना बीती रात करीब 9.45 बजे की है। पुलिस को सूचना

मिली कि नसरुल्लागंज के तीन लोग फोर व्हीलर गाड़ी सहित पानी में फंसे हुए हैं और वे जान बचाने के लिए गाड़ी की छत पर चढ़ गए हैं। सूचना मिलते ही पुलिस अधीक्षक दीपक कुमार शुक्ला के निर्देश पर एक टीम मौके के लिए रवाना हुई।

इस टीम में प्रधान आरक्षक दिनेश जाटए आरक्षक सतेंद्र दोहरे और 112 डायल का स्टाफ आरक्षक विपिन जाट और चालक नरेंद्र शामिल थे। टीम ने तुरंत मौके पर पहुंचकर ग्रामीणों की मदद से रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया।

कड़ी मशक्कत के बादए रपटे पर फंसे अनुज अग्रवाल, कृष्णा अग्रवाल निवासी भैरुंदा और वाहन चालक कन्हैयालाल महेश्वरी निवासी बोरखेड़ा कला को सुरक्षित बाहर निकाला गया। इसके बाद वाहन को भी सकुशल बाहर निकाल लिया गया।

पुलिस की अपील-

ग्रामीणों और पीड़ित परिवार ने पुलिस की त्वरित कार्रवाई की सराहना की है। इस घटना के बाद पुलिस ने जनता से अपील की है कि बारिश के मौसम में उफनते नदी.नालों और पुल.पुलियाओं को पार करने का जोखिम न उठाएं और सुरक्षित मार्ग का ही उपयोग करें।

गणेश मंदिर की प्राचीन बावड़ी का उद्घाटन, पं. दुबे ने लगाया अवैध चंदा वसूली का आरोप

दैनिक भेल पॉवर

सीहोर। श्री चिंतामन सिद्ध गणेश मंदिर परिसर की प्राचीन ऐतिहासिक बावड़ी का जीर्णोद्धार कार्य पूर्ण हो गया है। सोमवार को मंदिर के प्रमुख पुजारी पं. पृथ्वी वल्लभ दुबे एवं पं. हेमंत वल्लभ दुबे एवं पुजारी परिवार ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच दीप प्रज्वलन कर उद्घाटन किया। हालांकि कार्यक्रम के दौरान मीडियाकर्मियों के बीच पं. पृथ्वीवल्लभ दुबे ने एक गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि प्राचीन बावड़ी के जीर्णोद्धार के नाम पर अवैध रूप से चंदा वसूली भी की जा रही है। बता दें गणेश मंदिर में एक प्राचीन कालीन बावड़ी है। इतिहासकारों के अनुसार इस बावड़ी का निर्माण भी मंदिर निर्माण के दौरान ही कराया

गया होगा। यह बावड़ी उस समय धार्मिक और सामाजिक जीवन का महत्वपूर्ण अंग रही है। हालांकि देखरेख के अभाव में बावड़ी जीर्णशीर्ण हालत में पहुंच गई थी, जिसे पं. पृथ्वीवल्लभ दुबे द्वारा करीब पांच लाख रुपए की राशि खर्च कर जीर्णोद्वार कराया है। राजस्थान के शिल्पकारों और कलाकारों ने पारंपरिक शिल्पकला का प्रयोग करते हुए बावड़ी को नया स्वरूप प्रदान किया। मंदिर के प्रमुख पुजारी पं. पृथ्वी वल्लभ दुबे ने बताया कि यह बावड़ी केवल पानी का स्त्रोत हीं नहीं, बल्कि हमारी आस्था और इतिहास की जीवंत धरोहर है। इस अनमोल विरासत का नवीनीकरण सभी गणेश भक्तों के लिए उल्लास का विषय है। पंडित जी ने यह भी बताया कि बावड़ी निर्माण के लिए कुछ लोग अवैध रूप से चंदा वसूली कर रहे हैं, गणेश जी उन्हें सद्बुद्धि प्रदान करें। लोकार्पण अवसर पर अनेक श्रद्धालु भी मौजूद रहे।

जनसुनवाई में कलेक्टर ने सुनीं नागरिकों की समस्याएं

जनसुनवाई में जिलेभर से आए 45 आवेदकों ने अपनी समस्याओं से संबंधित आवेदन दिए।

दैनिक भेल पॉवर

सीहोर। कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में मंगलवार को जनसुनवाई आयोजित की गई। जनसुनवाई में कलेक्टर बालागुरू के. तथा जिला पंचायत सीईओ डॉ. नेहा जैन ने नागरिकों से चर्चा कर उनकी समस्याएं जानी और संबंधित अधिकारियों को समय सीमा में निराकरण के निर्देश दिए। जनसुनवाई में जिलेभर से आए 45 आवेदकों ने अपनी समस्याओं से संबंधित आवेदन दिए। जिला मुख्यालय के साथ ही जनपद कार्यालयों एवं ग्राम पंचायतों में भी जनसुनवाई आयोजित की गई। जनसुनवाई में अधिकांश आवेदन भूमि विवाद, नामांतरण, बंटवारा, आपसी विवाद, मेढ़ रास्ता विवाद, बीपीएल कार्ड, प्रधानमंत्री आवास, गन लाइसेंसए, वृद्धावस्था पेंशन, आर्थिक सहायता, मुआवजा से संबंधित आवेदन प्राप्त हुए। जनसुनवाई में संयुक्त कलेक्टर वंदना राजपूत, एसडीएम तन्मय वर्मा, डिप्टी कलेक्टर स्वाति मिश्रा, सुधीर कुशवाह सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

आत्मउन्नयन एवं जीवन-जागृति का पर्व है पर्युषण

जैन धर्म में पर्युषण महापर्व का अपना विशेष महत्व है। यह केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं बल्कि आत्मा की गहराइयों तक जाने का, आत्मनिरीक्षण करने का और आत्मशुद्धि का अनूठा पर्व है। जैन संस्कृति ने सदियों से इस पर्व को आत्मकल्याण, साधना और तपस्या का महान माध्यम बनाया है। ह्यपर्युषणह्न का शाब्दिक अर्थ है-अपने भीतर ठहरना, आत्मा में रमना, आत्मा के समीप होना। इस वर्ष अन्तःकरण की शुद्धि का यह महापर्व 20 से 27 अगस्त, 2025 को मनाया जा रहा है, इन आठ दिनों में हर जैन अनुयायी अपने तन और मन को साधनामय बना लेता है, मन को इतना मांज लेता है कि अतीत की त्रुटियां को दूर करते हुए भविष्य में कोई भी गलत कदम न उठे। इस पर्व में एक ऐसा मौसम ही नहीं, माहौल भी निर्मित होता है, जो हमारे जीवन की शुद्धि कर देता है। इस दृष्टि से यह पर्व आध्यात्मिकता के साथ-साथ जीवन उत्थान का पर्व है, यह मात्र जैनों का पर्व नहीं है, यह एक सार्वभौम पर्व है। पूरे विश्व के लिए यह एक उत्तम और उत्कृष्ट पर्व है, क्योंकि इसमें आत्मा की उपासना करते हुए जीवन को शांत, स्वस्थ एवं अहिंसामय बनाया जाता है। संपूर्ण संसार में यही एक ऐसा उत्सव या पर्व है जिसमें आत्मरत होकर व्यक्ति आत्मार्थी बनता है व अलौकिक, आध्यात्मिक आनंद के शिखर पर आरोहण करता हुआ मोक्षगामी होने का सद्प्रयास करता है।

जैनधर्म की त्याग प्रधान संस्कृति में पर्युषण पर्व का अपना अपूर्व एवं विशिष्ट आध्यात्मिक महत्व है। इसमें जप, तप, साधना, आराधना, उपासना, अनुप्रेक्षा आदि अनेक प्रकार के अनुष्ठान से जीवन को पवित्र किया जाता है। यह अंर्तआत्मा की आराधना का पर्व है- आत्मशोधन का पर्व है, निद्रा त्यागने का पर्व है। सचमुच में पर्युषण पर्व एक ऐसा सवेरा है जो निद्रा से उठाकर जागृत अवस्था में ले जाता है। अज्ञानरूपी अंधकार से ज्ञानरूपी प्रकाश की ओर ले जाता है। तो जरूरी है प्रमादरूपी नींद को हटाकर इन आठ दिनों विशेष तप, जप, स्वाध्याय की आराधना करते हुए अपने आपको सुवासित करते हुए अंर्तआत्मा में लीन हो जाए जिससे हमारा जीवन सार्थक व सफल हो पाएगा।

यही कार ा है कि इन दिनों में लोग केवल धार्मिक ग्रंथों का अध्ययन ही नहीं करते, बल्कि व्यवहारिक जीवन में भी सात्त्विकता, करु ाा, अहिंसा और सहअस्तित्व को अपनाने का प्रयास करते हैं। यह पर्व हर जैन साधक के लिए एक आत्मयात्रा है। तप, संयम, स्वाध्याय और क्षमा की साधना से वह स्वयं को नया जन्म देता है।

पर्युषण का एक अर्थ है-कर्मों का नाश करना। कर्मरूपी शत्रुओं का नाश होगा तभी आत्मा अपने स्वरूप में अवस्थित होगी अतः यह पर्युषण-पर्व आत्मा का आत्मा में निवास करने की प्रेरणा देता है। यह आध्यात्मिक पर्व है, इसका जो केन्द्रीय तत्त्व है, वह है-आत्मा। आत्मा के निरामय, ज्योतिर्मय स्वरूप को प्रकट करने में पर्युषण महापर्व अहं भूमिका निभाता रहता है। अध्यात्म यानि आत्मा की सन्निकटता। यह पर्व मानव-मानव को जोड़ने व मानव हृदय को संशोधित करने का पर्व है, यह मन की खिड़कियों, रोशनदानों व दरवाजों को खोलने का पर्व है। पर्युषण पर्व जैन एकता का प्रतीक पर्व है। दिगंबर परंपरा में इसकी ह्यह्यदशलक्षण पर्वह्नह्न के रूप में पहचान है। उनमें इसका प्रारंभिक दिन भाद्र व शुक्ला पंचमी और संपन्नता का दिन चतुर्दशी है। दूसरी तरफ श्वेतांबर जैन परंपरा में भाद्र व शुक्ला पंचमी का दिन समाधि का दिन होता है। जिसे संवत्सरी के रूप में पूर्ण त्याग-प्रत्याख्यान, उपवास, पौषध सामायिक, स्वाध्याय और संयम से मनाया जाता है। वर्ष भर में कभी समय नहीं निकाल पाने वाले लोग भी इस दिन जागृत हो जाते हैं। कभी उपवास नहीं करने वाले भी इस दिन धमार्नुष्ठान करते नजर आते हैं।

पर्युषण पर्व मनाने के लिए भिन्न-भिन्न मान्यताएं उपलब्ध होती हैं। आगम साहित्य में इसके लिए उल्लेख मिलता है कि संवत्सरी चातुर्मास के 49 या 50 दिन व्यतीत होने पर व 69 या 70 दिन अवशिष्ट रहने पर मनाई जानी चाहिए। दिगम्बर परंपरा में यह पर्व 10 लक्षणों के रूप में मनाया जाता है। यह 10 लक्षण पर्युषण पर्व के समाप्त होने के साथ ही शुरू होते हैं। यह पर्व जैन अनुयायियों के लिए संयम, साधना और आत्मसंयम का विशेष अवसर लेकर आता है। इन दिनों में जैन समाज उपवास, प्रतिक्रमण, पाठ, स्वाध्याय, सामायिक, ध्यान और पूजा के माध्यम से आत्मिक उन्नति का मार्ग प्रशस्त करता है। घर-घर में धार्मिक वातावरण बनता है और हर व्यक्ति अपने जीवन की दिशा को सुधारने का प्रयत्न करता है। पर्युषण पर्व का मुख्य उद्देश्य है आत्मा को कर्मों की परतों से मुक्त करना। जीवन में चाहे जितनी भी व्यस्तता हो, इन दिनों में हर जैन श्रावक-श्राविका अपने जीवन की गति को धीमा कर आत्मचिंतन करता है। यह पर्व हमें यह सिखाता है कि बाहरी सुख-सुविधाएँ क्षणिक हैं, वास्तविक सुख भीतर है और आत्मा की शुद्धि में ही है। जब व्यक्ति अपने भीतर झाँकता है तो उसे अपने दोष, अपने अपराध और अपनी कमजोरियों का बोध होता है। इसी बोध से क्षमा और आत्मपरिवर्तन की भावना उत्पन्न होती है।

पर्युषण पर्व के अंतिम दिन ह्यक्षमावाणीह्न का आयोजन होता है, जिसे ह्यक्षमा दिवसह्न भी कहा जाता है। इस दिन हर व्यक्ति अपने परिचितों, रिश्तेदारों, मित्रों और यहां तक कि शत्रुओं से भी यह कहता है-ह्नमिच्छामि दुक्कडम्ह्न अर्थात यदि मुझसे किसी को भी मन, वचन या शरीर से कोई पीड़ा पहुँची है तो मैं उसके लिए क्षमाप्रार्थी हूँ। इस प्रकार क्षमा माँगने और क्षमा करने की परंपरा से समाज में सद्भाव, प्रेम और मैत्री का वातावरण बनता है। पर्युषण पर्व आत्मसंयम और आत्मिक साधना का गहन अभ्यास है। यह पर्व हमें याद दिलाता है कि जीवन का वास्तविक उद्देश्य केवल भोग-विलास और सांसारिक उपलब्धियाँ नहीं हैं, बल्कि आत्मा का उत्थान और मोक्ष की दिशा में अग्रसर होना है। यही कारण है कि इन दिनों में लोग केवल धार्मिक ग्रंथों का अध्ययन ही नहीं करते, बल्कि व्यवहारिक जीवन में भी सात्त्विकता, करुणा, अहिंसा और सहअस्तित्व को अपनाने का प्रयास करते हैं। यह पर्व हर जैन साधक के लिए एक आत्मयात्रा है। तप, संयम, स्वाध्याय और क्षमा की साधना से वह स्वयं को नया जन्म देता है।

पर्युषण पर्व एक दूसरे को अपने ही समान समझने का पर्व है। गीता में भी कहा है आत्मौपम्येन सर्वत्रः, समे पश्यति योर्जुन- श्रीकृष्ण ने अर्जुन से कहा-हे अर्जुन ! प्राणीमात्र को अपने तुल्य समझो। भगवान महावीर ने कहा-मित्ती में सव्व भूएसु, वेरंमज्झण केणइ सभी प्राणियों के साथ मेरी मैत्री है, किसी के साथ वैर नहीं है। मानवीय एकता, शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व, मैत्री, शोषणविहीन सामाजिकता, अंतर्राष्ट्रीय नैतिक मूल्यों की स्थापना, अहिंसक जीवन आत्मा की उपासना शैली का समर्थन आदि तत्त्व पर्युषण महापर्व के मुख्य आधार हैं। ये तत्त्व जन-जन के जीवन का अंग बन सके, इस दृष्टि से इस महापर्व को जन-जन का पर्व बनाने के प्रयासों की अपेक्षा है। मनुष्य धार्मिक कहलाए या नहीं, आत्म-परमात्मा में विश्वास करे या नहीं, पूर्वजन्म और पुनर्जन्म को माने या नहीं, अपनी किसी भी समस्या के समाधान में जहाँ तक संभव हो, अहिंसा का सहारा ले- यही पयुर्षण की साधना का हार्द है। हिंसा से किसी भी समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो सकता। हिंसा से समाधान चाहने वालों ने समस्या को अधिक उकसाया है। इस तथ्य को सामने रखकर जैन समाज ही नहीं आम-जन भी अहिंसा की शक्ति के प्रति आस्थावान बने और गहरी आस्था के साथ उसका प्रयोग भी करे। परलोक सुधारने की भूलभुलैया में प्रवेश करने से पहले इस जीवन की शुद्धि पर ध्यान केंद्रित होना चाहिए। धर्म की दिशा में प्रस्थान करने के लिए यही रास्ता निरापद है और यही इस पर्व की सार्थकता का आधार है, प्रतिक्रमण का प्रयोग है। पीछे मुड़कर स्वयं को देखने का ईमानदार प्रयत्न है। वर्तमान की आंख से अतीत और भविष्य को देखते हुए कल क्या थे और कल क्या होना है इसका विवेकी निर्णय लेकर एक नये सफर की शुरूआत की जाती है। यह पर्व अहिंसा और मैत्री का पर्व है। अहिंसा और मैत्री के द्वारा ही शांति मिल सकती है। आज जो हिंसा, आतंक, आपसी-द्वेष, नक्सलवाद, भ्रष्टाचार जैसी ज्वलंत समस्याएं न केवल देश के लिए बल्कि दुनिया के लिए चिंता का बड़ा कारण बनी हुई है और सभी कोई इन समस्याओं का समाधान चाहते हैं। उन लोगों के लिए पर्युषण पर्व एक प्रेरणा है, पाथेय है, मार्गदर्शन है और अहिंसक जीवन शैली का प्रयोग है।

अक्षय ऊर्जा : असीम शक्ति, स्वच्छ भविष्य

पृथ्वी पर ऊर्जा के परम्परागत साधन बहुत सीमित मात्रा में उपलब्ध हैं, ऐसे में खतरा मंडरा रहा है कि यदि ऊर्जा के इन पारम्परिक स्त्रोतों का इसी प्रकार दोहन किया जाता रहा तो इन परम्परागत स्त्रोतों के समाप्त होने पर गंभीर समस्या उत्पन्न हो जाएगी। यही कारण है कि पूरी दुनिया में गैर परम्परागत ऊर्जा स्त्रोतों को बढ़ावा देने की जरूरत महसूस की जाने लगी और इसी कारण अक्षय ऊर्जा स्त्रोतों से ऊर्जा जरूरतों की पूर्ति करने के प्रयास शुरू हुए। अक्षय का अर्थ है, जिसका कभी क्षय न हो अर्थात अक्षय ऊर्जा वास्तव में ऊर्जा का असीम और अनंत विकल्प है और आज के समय में यह किसी भी राष्ट्र के अक्षय विकास का प्रमुख स्तंभ भी है। पिछले कुछ वर्षों से पर्यावरणीय चिंताओं को देखते हुए ऐसी ऊर्जा तथा तकनीकें विकसित करने के प्रयास किए जा रहे हैं, जिनसे ग्लोबल वार्मिंग की विकराल होती समस्या से दुनिया को कुछ राहत मिल सके। किसी भी राष्ट्र को विकसित बनाने के लिए आज प्रदूषणरहित अक्षय ऊर्जा स्त्रोतों का समुचित उपयोग किए जाने की आवश्यकता भी है। देश में अक्षय ऊर्जा के विकास और उपयोग को लेकर जागरूकता पैदा करने के लिए ही वर्ष 2004 से हर साल 20 अगस्त को ह्यअक्षय ऊर्जा दिवसह्न भी मनाया जाता है। आज न केवल भारत में बल्कि समूची दुनिया के समक्ष बिजली जैसी ऊर्जा की महत्वपूर्ण जरूरतों को पूरा करने के लिए सीमित प्राकृतिक संसाधन हैं, साथ ही पर्यावरण असंतुलन और विस्थापन जैसी गंभीर चुनौतियां भी हैं। चर्चित पुस्तक ह्यप्रदूषण मुक्त सांसेंह्न के अनुसार इन गंभीर समस्याओं और चुनौतियों से निपटने के लिए अक्षय ऊर्जा ही एक ऐसा बेहतरीन विकल्प है, जो पर्यावरणीय समस्याओं से निपटने के साथ-साथ ऊर्जा की जरूरतों को पूरा करने में भी कारगर साबित होगी लेकिन अक्षय ऊर्जा की राह में भी कई चुनौतियां मुंह बाये सामने खड़ी हैं। अक्षय ऊर्जा उत्पादन की देशभर में कई छोटी-छोटी इकाईयां हैं, जिन्हें एक ग्रिड में लाना बेहद चुनौतीपूर्ण कार्य है। इससे बिजली की गुणवत्ता प्रभावित होती है। भारत में अक्षय ऊर्जा के विविध स्त्रोतों का अपार भंडार मौजूद है लेकिन इनसे ऊर्जा उत्पादन करने वाले अधिकांश उपकरण विदेशों से आयात किए जाते हैं। नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (एमएनआरई) के अनुसार, कुछ साल पहले सौर ऊर्जा के लिए करीब 90 प्रतिशत उपकरण विदेशों से आयात किए गए थे, जिससे बिजली उत्पादन की लागत काफी बढ़ गई। 2023-24 के आंकड़ों के अनुसार, अब भी भारत की सौर सेल और मॉड्यूल की जरूरत का अधिकांश हिस्सा, कभी-कभी 90 प्रतिशत तक, आयात से ही पूरा होता रहा है। हालांकि हाल के वर्षों में एएलएमएम नियम और पीएलआई स्कीम के कारण यह निर्भरता घट रही है। 2023-24 में चीन से सौर सेल्स का 53 प्रतिशत और मॉड्यूल्स का 63 प्रतिशत भारत में आया। देश में ऊर्जा की मांग और आपूर्ति के बीच अंतर भी तेजी से बढ़ रहा है। केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण (सीईए) के आंकड़ों के अनुसार देश में कुल स्थापित विद्युत उत्पादन क्षमता 450 गीगावॉट से अधिक हो चुकी है, जिसमें अब 230 गीगावॉट से अधिक अक्षय ऊर्जा से प्राप्त हो रहा है, जिसमें सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा, बायो-पावर और छोटे हाइड्रो प्रोजेक्ट्स शामिल हैं। इसके अतिरिक्त अधिक बड़ी जल विद्युत परियोजनाओं से तथा परमाणु ऊर्जा से भी अक्षय ऊर्जा का उत्पादन किया जा रहा है। कुल बिजली उत्पादन में अब अक्षय ऊर्जा का हिस्सा अब लगातार बढ़ रहा है, जो भारत को दुनिया के अग्रणी देशों में शामिल करता है।

भारत में ऊर्जा खपत भी तेजी से बढ़ रही है। अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (आईईए) का अनुमान है कि वर्ष 2040 तक भारत में ऊर्जा की कुल मांग वर्तमान की तुलना में लगभग दोगुनी हो जाएगी। विशेषकर बिजली तथा ईंधन के रूप में उपभोग की जा रही ऊर्जा की मांग घरेलू एवं कृषि क्षेत्र के अलावा औद्योगिक क्षेत्रों में भी लगातार बढ़ रही है। औद्योगिक क्षेत्रों में ही बिजली तथा पैट्रोलियम जैसे ऊर्जा के महत्वपूर्ण स्त्रोतों का लगभग 55 प्रतिशत उपभोग किया जाता है। हम जिस बिजली से अपने घरों, दुकानों या दफ्तरों को रोशन करते हैं, जिस बिजली या पैट्रोलियम इत्यादि ऊर्जा के अन्य स्त्रोतों का इस्तेमाल कर खेती-बाड़ी या उद्योग-धंधों के जरिये देश को विकास के पथ पर अग्रसर किया जाता है, क्या हमने कभी सोचा है कि वह बिजली या ऊर्जा के अन्य स्त्रोत हमें कितनी बड़ी कीमत पर हासिल होते हैं? यह कीमत न केवल आर्थिक रूप से बल्कि पर्यावरणीय दृष्टि से भी धरती पर विद्यमान हर प्राणी पर बहुत भारी पड़ती है। भारत में थर्मल पावर स्टेशनों में बिजली पैदा करने के लिए प्रतिदिन लगभग 18 लाख टन कोयले की खपत होती है। आज भी देश की लगभग 55 प्रतिशत से अधिक बिजली कोयले से ही पैदा होती है, शेष बिजली अक्षय ऊर्जा स्त्रोतों, जल, गैस व परमाणु ऊर्जा स्त्रोतों से प्राप्त होती है।

दुनियाभर में ऊर्जा क्षेत्र में लगभग 75 प्रतिशत कार्बन उत्सर्जन बिजली उत्पादन से ही होता है। यही कारण है कि अब सौर ऊर्जा तथा पवन ऊर्जा जैसे अक्षय ऊर्जा स्त्रोतों को विशेष महत्व दिया जाने लगा है। अंतर्राष्ट्रीय नवीकरणीय ऊर्जा एजेंसी के अनुसार, यदि अक्षय ऊर्जा और ऊर्जा दक्षता पर विशेष ध्यान दिया जाए तो वर्ष 2050 तक वैश्विक ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को 70 प्रतिशत तक घटाया जा सकता है।

संपादकीय

जब राजीव गांधी के साथ हुई मेरी यादगार मुलाकाते

अब भले ही नेताप्रतिपक्ष होते हुए राहुल गांधी से मिलना कठिन हो ,लेकिन एक समय था जब प्रधानमंत्री पद पर होते हुए भी राजीव गांधी से एक आम कार्यकर्ता की सहज मुलाकात हो जाती थी।दरअसल राजीव गांधी संगठन को बहुत तरजीह देते थे,ग्रास रूट तक की जानकारी रखने और कांग्रेस की अंदरूनी मजबूती के लिए उन्होंने कांग्रेस सेवादल के साथ साथ कैडर बिल्डिंग के रूप में सहयोगी संगठन सक्रिय किए हुए थे।वैसे तो राजीव गांधी नही चाहते थे कि वह कभी राजनीति में आए इसीलिए उन्होने पढाई पूरी करने के बाद पायलट के रूप अपना कैरियर चुना था। उन्होने प्रधानमन्त्री की कुर्सी पर मां श्रीमति इंदिरा गांधी के पदस्थ रहने के बावजूद उनके रहते राजनीतिक कार्य में कभी कोई दखल नही किया था। यहां तक कि उनकी पत्नी मौजूदा कांग्रेस अध्यक्ष श्रीमति सोनिया गांधी भी एक आदर्श बहु के रूप में श्रीमति इंदिरा गांधी परिवार की शोभा बढाती रही। राजीव गांधी चाहते थे कि वह अपने बलबूते कैरियर की उडान भरे और इक्कीस वीं सदी का भारत बनाने में अपनी सकारात्मक भूमिका निभाये। वह बिना राजनीतिक सहारे के इस ओर बढ ही रहे थे कि प्रधानमन्त्री की कुर्सी पर विराजमान मां श्रीमति इंदिरा गांधी को 31 अक्टूबर सन 1984 में उन्ही के अगंरक्षको द्वारा की गई हत्या ने राजीव गांधी के जीवन की दिशा बदल दी। तत्कालीन राष्ट्रपति ज्ञानी जैलसिंह ने मौके की नजाकत और देश के हालात को देखते हुए राजीव गांधी को देश का प्रधानमन्त्री बनाने का अहम फैसला ले लिया था।

उनके इस फैसले से कई रानीतिक भौच्चके भी हुए और कईयों को प्रधानमन्त्री का पद हाथ से फिसलता हुआ नजर आया था। परन्तु राष्ट्रपति विरोधियों से जरा भी विचलित नही हुए और देश को संकट से उभारने और कांग्रेस में नेहरू गांधी परिवार के प्रति अपनी निष्ठा सिद्ध करते राजीव गांधी को प्रधानमन्त्री पद की शपथ दिला दी थी। उस समय राजीव गांधी के बारे में अधिकांश को यह उम्मीद नही थी कि प्रधानमन्त्री के रूप में राजीव गांधी एक नया इतिहास रचेंगे और भारत को इक्कीस वीं सदी में ले जाने के लिए तकनीकी ज्ञान व विकास के क्षेत्र में मजबूत करने का काम करेंगे। राजीव गांधी चाहते थे कि देश की सरकारी विकास योजनाओ का

पैसा शतप्रतिशत रूप में गांव तक पहुंचे और उनका चहुंमुखी विकास हो। वह यह भी जानते थे कि योजनाओं का पैसा शतप्रतिशत रूप से गांव तक नही पहुंचता और मात्र 15 प्रतिशत राशि ही वास्तव में विकास पर खर्च हो पाती है जिसका मतलब है कि सरकारी योजनाओं की बदंरबाट से वे आहत थे। इस बदंरबाट अर्थात भ्रष्टाचार को दूर करने के लिए वे जीवनपर्यन्त प्रयत्यनशील रहे। जिसमें आशातीत सुधार भी हुआ परन्तु राजीव गांधी का भारत को पूर्ण

भ्रष्टाचार मुक्त बनाने का सपना उनके असमय चले जाने के कारण अधुरा रह गया। संगठन पर मजबूत पकड करना उन्हे आता था। कांग्रेस के कैडर बिल्डिगं कार्यक्रम के माध्यम से उन्होने संगठन को धरातल स्तर पर मजबूत करने की कौशिश की। इस कार्यक्रम के प्रशिक्षको व कार्यकताओं से वे कांग्रेस की वास्तविक तस्वीर जान लेते थे। याकि कांग्रेस का टिकट किसे मिलना चाहिए ,कौन जीत सकता है ,किसकी छवि अच्छी है यह सब उन्हे इसी कैडर बिल्डिगं के प्रशिक्षको से पता चल जाता था। साथ ही पार्टी विरोधी लोगो और कांग्रेस से गददारी करने वालो की जानकारी भी उन्हे सहज ही हो जाती थी। जब किसी नेता को या फिर कार्यकर्ता को पार्टी में शामिल करना होता तो उसकी खुफिया जाचं भी इन्ही कैडर बिल्डिंग के लोगो से कराई जाती थी। जिसके परिणाम हमशा अच्छे रहे।

(आस्था)

18 साल बाद बनेगी शुक्र और केतु की महायुति, इन राशियों का चमक सकता है भाग्य, करियर और कारोबार में तरक्की के योग...

वैदिक पंचांग मुताबिक ग्रह समय- समय पर राशि परिवर्तन करते मित्र और शत्रु ग्रह के साथ युति बनाते हैं, जिसका प्रभाव मानव जीवन और देश- दुनिया पर देखने को मिलता है। आपको बता दें कि शुक्र ग्रह सितंबर में सिंह राशि में संचरण करेंगे, जहां पहले से केतु ग्रह स्थित हैं। जिससे सिंह राशि में शुक्र और केतु की युति बनेगी। इस युति का प्रभाव सभी राशियों पर पड़ेगा। लेकिन 3 राशियां ऐसी हैं, जिनके इस समय अच्छे दिन शुरू हो सकते हैं। साथ ही इन लोगों की इनकम में वृद्धि और नई नौकरी के साथ आक्समिक धनलाभ हो सकता है। वहीं संतान से जुड़ा समाचार प्राप्त हो सकता है। साथ ही मन प्रसन्न रहेगा। आइए जानते हैं ये लकी राशियां कौन सी हैं हमारी मृत्यु के बाद नरक और स्वर्ग में माता- पिता या परिवार के लोग मिलते हैं या नहीं? प्रेमानंद महाराज ने दूर किया संशय वृश्चिक राशि शुक्र और केतु का संयोग धनु राशि के लोगों को अनुकूल सिद्ध हो सकता है। क्योंकि यह युति आपकी राशि से कर्म भाव पर बनने जा रहा है। इसलिए इस दौरान आपको काम- कारोबार में खास तरक्की मिल सकती है। व्यापारियों के लिए भी उत्तम समय रहेगा। नौकरीपेशा लोगों को मान-सम्मान और नई जिम्मेदारियां मिलेंगी। व्यापारियों को नई परियोजनाओं में सफलता प्राप्त होगी। नेतृत्व क्षमता और मैनेजमेंट स्किल अच्छी होगी। वहीं यह समय मीडिया, फिल्म लाइन, फैशन डिजाइनिंग और कला के क्षेत्र से जुड़े लोगों को लाभकारी हो सकता है। हमारी मृत्यु के बाद नरक और स्वर्ग में माता- पिता या परिवार के लोग मिलते हैं या नहीं? प्रेमानंद महाराज ने दूर किया संशय 27 अगस्त से इन राशियों पर मेहरबान होंगी मां लक्ष्मी, चंद्र-मंगल बनाएंगे शक्तिशाली राजयोग, आकस्मिक धन लाभ के योग 18 महीने बाद ग्रहों के सेनापति मंगल करेंगे राहु के नक्षत्र में प्रवेश, इन राशियों की पलट सकती है किस्मत, धन- संपत्ति में अपार बढ़ोतरी के योग कर्क राशि आप लोगों के लिए शुक्र और केतु का संयोग लाभप्रद सिद्ध हो सकता है। क्योंकि यह युति आपकी राशि से दूसरे भाव पर बनने जा रही है। इसलिए इस समय आपको समय- समय पर आकस्मिक धनलाभ हो सकता है। साथ ही साथ ही आपके व्यक्तित्व में निखार आएगा। उम्रदराज जातकों को अचानक पुराने निवेश से बहुत ज्यादा लाभ होगा।

आज का राशिफल

मेषः चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ ।

मेषः रचनात्मक शौक आज आपको सुकून का एहसास कराएंगे। आज आपको समझ आ सकता है कि धन को बिना सोच विचारे खर्च करना आपको कितना नुक्सान पहुंचा सकता है. अपने करीबी लोगों के सामने ऐसी बातें उठाने से बचें, जो उन्हें उदास कर सकती हैं। लवमेट आज आपसे किसी चीज की डिमांड कर सकता है लेकिन आप उसे पूरा नहीं कर पाएंगे जिसकी वजह से आपका लवमेट आपसे नाराज हो सकता है। अगर आप सीधा जवाब नहीं देंगे तो आपके सहयोगी आपसे नाराज हो सकते हैं। अपने घर में बिखरी चीजों को संभालने का आज आप प्लान करेंगे लेकिन आपको इसके लिए आज खाली समय नहीं मिल पाएगा।

वृषभ : उ, ई, ऐ, ओ, बा, बी, बे, बो ।

वृषभः कुछ रचनात्मक करने के लिए अपने दफ़्तर से जल्दी निकलने की कोशिश करें। आज किसी पार्टी में आपकी मुलाकात किसी ऐसे शख्स से हो सकती है जो आर्थिक पक्ष को मजबूत करने के लिए आपको अहम सलाह दे सकता है। आपके आकर्षण और व्यक्तित्व के जरिए आपको कुछ नए दोस्त मिलेंगे। अपने साथी को भावनात्मक तौर पर ब्लैकमेल करने से बचें। नौकरी में बदलाव मानसिक संतोष देगा। आज आप सब कामों को छोड़कर उन कामों को करना पसंद करेंगे जिन्हें आप बचपन के दिनों में करना पसंद करते थे। खर्चों को लेकर जीवनसाथी से तनातनी संभव है।

मिथुनः क, की, कू, घ, ड, छ, के, को, हा ।

मिथुनः आप खाली समय का आनंद ले सकेंगे। जीवनसाथी से पैसों से जुड़े किसी मुद्दे को लेकर आज बहस होने की आशंका है। आज आपकी फिजुलखर्ची पर आपका साथी आपको लेक्चर दे सकता है। अपने दोस्तों और परिवार के सहयोग के चलते आप नए आत्मविश्वास और रोमांच से भरपूर रहेंगे। आज अचानक किसी से रोमांटिक मुलाकात हो सकती है। कामकाज के मामले में आज आपकी आवाज पूरी तरह सुनी जाएगी। अगर आप जल्दबाजी में निष्कर्ष निकालेंगे और गैर-जरूरी काम करेंगे, तो आज का दिन काफी निराशाजनक हो सकता है।

कर्क : ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो ।

कर्कः आपका विनम्र स्वभाव सराहा जाएगा। कई लोग आपकी खासी तारीफ कर सकते हैं। आज के दिन धन हानि होने की संभावना है इसलिए लेन-देन से जुड़े मामलों में जितना आप सतर्क रहेंगे उतना ही आपके लिए अच्छा रहेगा। आपको अपने रोजमर्रा के कामों से छुट्टी लेकर आज दोस्तों के साथ घूमने का कार्यक्रम बनाना चाहिए। प्यार बहार की तरह है; फूलों, रोशनी और तितलियों से भरा हुआ। आज आपका रोमानी पहलू उभरकर आएगा। यह उन उम्दा दिनों में से एक दिन है जब कार्यक्षेत्र में आप अच्छा महसूस करेंगे। आज आपके सहकर्मी आपके काम की तारीफ करेंगे।

सिंहः मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टू, टे ।

सिंहः हाल की घटनाओं से आपका मन बेचैन हो सकता है। शारीरिक और मानसिक लाभ के लिए ध्यान व योग फायदेमंद साबित होंगे। आज आपका सामना कई नई आर्थिक योजनाओं से होगा- कोई भी फैसला करने से पहले अच्छाईयों और कमियों पर सावधानी से गौर फरमाएँ। अपनी नई परियोजनाओं के लिए अपने माता-पिता को विश्वास में लेने का सही समय है। अपने साथी के साथ बाहर जाते वक़्त ठीक तरह से व्यवहार करें। व्यापारियों के लिए अच्छा दिन है। व्यवसाय के लिए अचानक की गयी कोई यात्रा सकारात्मक परिणाम देगी।

कन्याः टो, पा, पी,पू, ष, ण, ठ, पे, पो।

कन्याः स्वास्थ्य का खयाल रखें, नहीं तो लेने के देने पड़ सकते हैं। नए करार फायदेमंद दिख सकते हैं, लेकिन वे उम्मीद के मुताबिक लाभ नहीं पहुँचाएंगे। निवेश करते समय जल्दबाजी में निर्णय न लें। रिश्तेदारों से अचानक तोहफा मिल सकता है, लेकिन पूरी संभावना है कि वे इसके बदले में आपसे कुछ चाहते हों। आपका प्रिय आज कुछ खीझा हुआ महसूस कर सकता है, जो आपके दिमाग पर दबाव और बढ़ा देगा। नई चीजों को सीखने की आपकी ललक काबिल-ए-तारीफ है। इस राशि के लोगों को आज शराब सिगरेट से दूर रहने की जरुरत है।

तुलाः रा, री, रू, रे, ता, ती, तू, ते ।

तुलाः आपका तल्ख रवैया दोस्तों के लिए परेशानी पैदा कर सकता है। आज आप अपने घर के वरिष्ठ जनों से पैसे की बचत करने को लेकर कोई सलाह ले सकते हैं और उस सलाह को जिंदगी में जगह भी दे सकते हैं. बच्चे आपको अपनी उपलब्धियों से गर्व का अनुभव कराएंगे। रोमांस के नजरिए से आज जिन्दगी बहुत जटिल रहेगी। आज आपके पास अपनी धनार्जन की क्षमता को बढ़ाने के लिए ताकत और समझ दोनों ही होंगे। आज आप जीवनसाथी के साथ वक्त बिताने और उनको कहीं घुमाने ले जाने का प्लान करेंगे लेकिन उनकी खराब तबीयत की वजह से यह नहीं हो पाएगा।

वृश्चिकः तो, ना, नी, नू, ने, नो, या, यी, यू ।

वृश्चिकः छोटी-छोटी चीजों को खुद के लिए परेशानी का सबब न बनने दें। आज किसी करीबी से आपका झगड़ा हो सकता है और बात कोर्ट कचहरी तक जा सकती है। जिसकी वजह से आपका अच्छा खास धन खर्च हो सकता है। मुमकिन है कि परिवार वाले आपकी उम्मीदों को पूरा न कर सकें। इस बात कि इच्छा न करें कि वे आपके मुताबिक काम करेंगे, बल्कि अपने काम करने का तरीका बदलकर पहल करें। आज आप अपने दोस्त की महक उसकी अनुपस्थिति में महसूस करेंगे। आज कार्यालय में आपको कुछ अच्छा समाचार सुनने को मिल सकता है।

धनु : ये, यो, भ, भी, भू, धा, फा, ढा, भे ।

धनुः आपका ईर्ष्यालु स्वभाव आपको उदास और दुःखी बना सकता है। आप यह चोट खुद को पहुँचा रहे हैं, इसलिए जितनी जल्दी हो सके इसे छोड़ दें। दूसरों के सुख-दुःख बांटने की आदत विकसित करें। आर्थिक तौर पर बेहतरी के चलते आपके लिए जरूरी चीजें खरीदना आसान होगा। आपके जीवनसाथी की सेहत आपको चिंता में डाल सकती है। जब आप अपने प्रिय के साथ बाहर जाएँ तो अपने पहनावे और बरताव में नयापन रखें। जो लोग विदेश व्यापार से जुड़े हैं उन्हें आज मनमाफिक फल मिलने की पूरी उम्मीद है।

मकरः भो, जा, जी, खी, खू, खे, खो, ग, गी ।

मकरः कुछ तनाव और मतभेद आपको चिड़चिड़ा और बेचैन बना सकते हैं। दीर्घावधि मुनाफे के नजरिए से स्टॉक और म्यूचुअल फंड में निवेश करना फायदेमंद रहेगा। किसी दूर के रिश्तेदार के यहाँ से मिली आकस्मिक अच्छी खबर आपके पूरे परिवार के लिए खुशी के लम्हे लाएगी। आपका बेपनाह प्यार आपके प्रिय के लिए बेहद कीमती है। किसी लघु या मध्यावधि पाठ्यक्रम में दाखिला लेकर अपनी तकनीकी क्षमताओं में निखार लाएँ। जिन रिश्तों को आप अहमियत देते हैं उन्हें समय देना भी आपको सीखना होगा नहीं तो रिश्ते टूट सकते हैं।

कुंभः गू, गे, गो, सा, सी, सू, से, सो, दा ।

कुंभः दिन की शुरूआत आप योग ध्यान से कर सकते हैं। ऐसा करना आपके लिए फायदेमंद रहेगा और सारे दिन आपमें ऊर्जा रहेगी। जीवन के बुरे दौर में पैसा आपके काम आएगा इसलिए आज से ही अपने पैसे की बचत करने के बारे में विचार करें नहीं तो आपको दिक्कतें हो सकती हैं। परिवार के सदस्यों के साथ कुछ आराम के पल बिताएँ। रुमानी यादें आज आपके ऊपर छायी रहेंगी। एक अहम प्रोजेक्ट- जिसपर आप काफी अरसे से काम कर रहे थे- टल हो सकता है। घर के कामों को पूरा करने के बाद इस राशि की गृहणियां आज के दिन फुर्सत में टीवी या मोबाइल पर कोई मूवी देख सकती हैं।

मीनः दी, दू, थ, झ, दे, दो, चा, ची ।

मीनः शारीरिक तौर पर तंदुरुस्त रहने के लिए धूम्रपान की आदत छोड़ दें। हालाँकि आपकी आर्थिक स्थिति में सुधार आएगा, लेकिन पैसे का लगातार पानी की तरह बहते जाना आपकी योजनाओं में रुकावट पैदा कर सकता है। उस रिश्तेदार को देखने जाएँ, जिसकी तबियत काफी समय से खराब है। किसी की प्यार में कामयाबी मिलने की कल्पना को सच कराने में मदद करें। अगर आप कामकाज के लिए जरूरत से ज्यादा दबाव बनाएंगे तो लोग भड़क सकते हैं ह्न कोई भी फैसला लेने से पहले दूसरों की जरूरतों को समझने की कोशिश करें।

त्रिशा कृष्णन ने साझा की छोटी-छोटी पलों की झलक

दक्षिणी सुंदरी त्रिशा कृष्णन ने सोशल मीडिया पर अपने %छोटे-छोटे पलों, बड़ी मुस्कानों के साथ% की एक झलक साझा की। अपने प्यारे दोस्त के साथ एक सेल्फी पोस्ट करते हुए उन्होंने लिखा: बस हम, बिल्कुल सही, बस काफ़ी।अपनी दादी के साथ पोज़ देते हुए उन्होंने लिखा: 98 साल जवान और अब भी मुझसे ज़्यादा कूल। इसके बाद उनके एक बिलबोर्ड की तस्वीर थी, जिस पर कैप्शन था, पप-स्टार। नूडल्स के एक स्वादिष्ट कटोरे की तस्वीर साझा करते हुए उन्होंने कहा, सिर्फ़ नूडल्स नहीं।अपने एक शूट की तस्वीर पोस्ट करते हुए त्रिशा ने लिखा: ब्लूपर्स परोस रही हूँ, ब्यूटी शॉट्स नहीं। इसके बाद, एक भगवान की मूर्ति की तस्वीर पर कैप्शन लिखा, आशीर्वाद, हमेशा पास। अपने पालतू जानवर के साथ एक और अनमोल पल पोस्ट करते हुए, त्रिशा ने लिखा: पॉ-सिटिवली अब तक का सबसे अच्छा फ़ैसला। उन्होंने एक स्वादिष्ट वेफेल की तस्वीर भी साझा की और कहा, एक स्ट्रूपवेफेल जो 12 घंटे की उड़ान के बाद मेरे पेट में पहुंचा।

120 करोड़ में बिके कुली के डिजिटल राइट्स

साउथ सुपरस्टार रजनीकांत की फिल्म कुली 14 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी. फिल्म बॉक्स ऑफिस पर दमदार कलेक्शन कर रही है. भारत के साथ-साथ वर्ल्डवाइड बॉक्स ऑफिस पर भी फिल्म जबरदस्त कमाई कर रही है. इस बीच कुली की ओटीटी रिलीज से जुड़ी अहम जानकारियां सामने आ गई है. फिल्म के डिजिटल राइट्स करोड़ों में बिके हैं. कुली के ओटीटी राइट्स अमेजन प्राइम वीडियो ने खरीदे हैं. फिल्म को मेकर्स ने ओटीटी प्लेटफॉर्म को 120 करोड़ रुपए में बेचा है. तमिल सिनेमा के इतिहास में ये अब तक की सबसे बड़ी डील्स में से एक है.साउथ फिल्म इंडस्ट्री में कोई भी फिल्म अपने थिएट्रिकल रन के 8 हफ्ते बाद ओटीटी पर रिलीज होती है. इस हिसाब से रजनीकांत की एक्शन-थ्रिलर फिल्म कुली अक्टूबर में दशहरा वीकेंड पर प्राइम वीडियो पर दस्तक दे सकती है. फिलहाल इसकी कोई ऑफिशियल अनाउंसमेंट नहीं हुई है. कुली बॉक्स ऑफिस पर जमकर नोट छाप रही है. सैकनिल्क की रिपोर्ट के मुताबिक महज तीन दिन में रजनीकांत की फिल्म ने भारत में 188.5 करोड़ रुपए कमा लिए हैं. वहीं वर्ल्डवाइड फिल्म 300 करोड़ क्लब का हिस्सा बन गई है. कुली ने दुनिया भर में 320 करोड़ रुपए का कारोबार कर लिया है.कुली बॉक्स ऑफिस पर ऋतिक रोशन की फिल्म वॉर 2 से टकराई है, इसके बावजूद फिल्म तीन दिन में ही आधे से यादा लागत वसूल कर चुकी है और वॉर 2 से आगे चल रही है. मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक कुली का बजट 400 करोड़ रुपए है.रजनीकांत स्टारर फिल्म कुली को लोकेश कनगराज ने डायरेक्ट किया है. फिल्म में आमिर खान खास रोल में दिखे हैं जिसने हर किसी के होश उड़ा दिए हैं. इसके अलावा सत्यराज, श्रुति हासन और उपेंद्र जैसे कलाकार भी फिल्म की स्टार कास्ट का हिस्सा हैं।

'वॉर 2': ब्लॉकबस्टर या फ्लॉप

ऋतिक रोशन और जूनियर एनटीआर की मोस्ट अवेटेड फिल्म वॉर 2 ने बॉक्स ऑफिस पर बड़ा धमाका कर दिया. अयान मुखर्जी के निर्देशन में बनी ये फिल्म वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स का नया चैप्टर है, जो 14 अगस्त 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई. फिल्म ने दमदार ओपनिंग की और धुआंधार कमाई की. चार दिनों में मूवी ने अबतक 140 करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई कर ली. जबकि वर्ल्डवाइड भी मूवी ने अच्छा प्रदर्शन किया.

वॉर 2 का दुनियाभर में बजा डंका

वॉर 2 को रजनीकांत और नागार्जुन की कुली से कड़ा मुकाबला मिल रहा है. रिलीज के शुरुआती तीन दिनों में फिल्म की कमाई में उतार-चढ़ाव देखने को मिला है, लेकिन दर्शकों का उत्साह लगातार बना हुआ है. ह्रङ्घष्ठ्ठद्यद्म की रिपोर्ट के मुताबिक, भारत में फिल्म ने 148.35 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया, जबकि दुनियाभर में इसकी कमाई 215 करोड़ रुपये तक पहुंच चुकी है. रविवार की छुट्टी का फायदा मूवी को मिलेगी और इसके कलेक्शन में इजाफा होगा.

घरेलू बॉक्स ऑफिस पर वॉर 2 का कलेक्शन

War 2 Collection Day 1- 52 करोड़ रुपये

War 2 Collection Day 2- 57.35 करोड़ रुपये

War 2 Collection Day 3- 33.25 करोड़ रुपये

War 2 Collection Day 4- 5.75 करोड़ रुपये

War 2 Total Collection- 148.35 करोड़ रुपये

जूनियर एनटीआर और ऋतिक रोशन का क्लैश

फिल्म में ऋतिक रोशन, जूनियर एनटीआर के साथ-साथ दर्शकों को कियारा आडवाणी, आशुतोष राणा और अनिल कपूर भी देखने को मिले. मूवी में एक बार फिर से ऋतिक ने कबीर का किरदार निभाया है. जो उन्हें वॉर में प्ले किया था. जबकि एनटीआर खलनायक के रोल में दिखे हैं. दोनों की जोड़ी को देखने के लिए फैंस सिनेमाघरों में आ रहे हैं. इसके अलावा कियारा की एंट्री ने फिल्म को और खास बना दिया है. धांसू एक्शन सीन, भव्य सीन और अयान मुखर्जी के स्टाइलिश निर्देशन की वजह से मूवी सिनेमाघरों में छाई हुई है।

101 रुपए मिलते हैं... कनिका कपूर ने बताया बॉलीवुड का काला सच

कनिका कपूर ने हाल ही में उर्फी जावेद के पॉडकास्ट बंक विद उर्फी में शिरकत की. इस दौरान सिंगर ने अपनी पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ से जुड़े स्ट्रगल्स के बारे में खुलकर बातें कीं. उनसे उर्फी जावेद ने पूछा कि आपका एक सॉन्ग काफी वायरल हुआ था लेकिन उस गाने के लिए उन्हें पैसे नहीं दिए गए थे. इसके जवाब में कनिका ने कहा- मुझे नहीं लगता है कि इस इंडस्ट्री में किसी भी सिंगर को किसी गाने के लिए पैसे दिए जाते हैं. अब शायद इंडिपेंडेंट म्यूजिक के लिए मिलता हो लेकिन वे सिंगर्स को पे नहीं करते हैं. गायकों को पैसा नहीं मिलता है. मैं आपको इतने सारे कॉन्ट्रैक्ट्स दिखा सकती हूं जिसमें मुझे 101 रुपए मिले हैं. उसपर भी वे ऐसा करते हैं जैसे वे आपपर एहसान कर रहे हैं.

कहा जाता है कि बॉलीवुड इंडस्ट्री दूर से जितनी ग्लैमरस लगती है अंदर से उतनी ही खोकली है. कितने राज इस इंडस्ट्री में दबे हैं जो अब सोशल मीडिया के दौर में धीरे-धीरे कर सामने आ रहे हैं. मीटू मोमेंट के दौरान कई महिला कलाकारों ने शोषण के खिलाफ आवाज उठाई. इसके बाद धीरे-धीरे इंडस्ट्री के और भी ऐसे सच निकलकर सामने आने लगे जिसने सभी को हैरान कर दिया. अब बॉलीवुड सिंगर कनिका कपूर ने बॉलीवुड इंडस्ट्री पर निशाना साधा है और कुछ चौंकाने वाले खुलासे किए हैं. सिंगर ने बताया है कि बॉलीवुड में कलाकारों को कैसे ट्रीट किया जाता है और उन्हें इंडस्ट्री में किन समस्याओं का सामना करना पड़ा है.कनिका कपूर ने हाल ही में उर्फी जावेद के पॉडकास्ट बंक विद उर्फी में शिरकत की. इस दौरान सिंगर ने अपनी पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ से जुड़े स्ट्रगल्स के बारे में खुलकर बातें कीं. उनसे उर्फी जावेद ने पूछा कि आपका एक सॉन्ग काफी वायरल हुआ था लेकिन उस गाने के लिए उन्हें पैसे नहीं दिए गए थे. इसके जवाब में कनिका ने कहा- मुझे नहीं लगता है कि इस इंडस्ट्री में किसी भी सिंगर को किसी गाने के लिए पैसे दिए जाते हैं. अब शायद इंडिपेंडेंट म्यूजिक के लिए मिलता हो लेकिन वे सिंगर्स को पे नहीं करते हैं. गायकों को पैसा नहीं मिलता है. मैं आपको इतने सारे कॉन्ट्रैक्ट्स दिखा सकती हूं जिसमें मुझे 101 रुपए मिले हैं. उसपर भी वे ऐसा करते हैं जैसे वे आपपर एहसान कर रहे हैं.जब उर्फी ने पूछा कैसे तो कनिका ने कहा- मैं आपको इंडस्ट्री के ग्रेटेस्ट्स सिंगर्स के नाम बता सकती हूं. मुझे नहीं लगता है कि इन कलाकारों को इनके सबसे महान गानों के लिए कोई पैसा मिला होगा. इंडस्ट्री में कोई पब्लिशिंग और रॉयलिटी स्ट्रक्चर नहीं है. इसपर उर्फी ने कहा कि मुझे तो लगता था कि कम से कम लाखों रुपए तो गानों के लिए सिंगर्स को मिलते ही होंगे. तो कनिका ने हामी भरते हुए कहा कि मैं अपनी बात कर रही हूं सबके कॉन्ट्रैक्ट तो मैंने देखे नहीं हैं.अब सिंगर के इस खुलासे से हर तरफ सनसनी मच गई है. लोग इसपर रिएक्ट करते नजर आ रहे हैं. कनिका कपूर की बात करें तो वे 46 साल की हैं और इंडस्ट्री में काफी समय से सक्रिय हैं. उन्होंने साल 2012 में अपने करियर की शुरुआत की थी. इसके बाद से सिंगर ने चिटिया कलाइयां, देसी लुक, बेबी डॉल, टुकुर टुकुर, सेल्फी और पुष्पा का गाना ओ अंतावा गाया है जो काफी सुपरहिट रहा था।

सहर 2019 में सनी देओल के डायरेक्शन में बनी फिल्म से से किया था डेब्यू

शाहरुख खान ने बतौर एक्टर बॉलीवुड में खूब नाम कमाया है. हालांकि, उनके बड़े बेटे आर्यन खान अपने पिता की तरह एक्टर नहीं बल्कि बतौर डायरेक्टर अपना करियर शुरू कर रहे हैं. वो एक वेब सीरीज लेकर आ रहे हैं, जिसमें सहर बंबा दिखने वाली हैं. आर्यन खान की वेब सीरीज का नाम है बैड्स ऑफ बॉलीवुड. 17 अगस्त को इस सीरीज का टीजर सामने आया है, जिसमें सहर बंबा की भी झलक दिखी. सहर बंबा लक्ष्य लालवानी के अपोजिट नजर आने वाली हैं. टीजर में एक्टर लक्ष्य लालवानी के साथ सहर की जोड़ी दिखी. क्या आप जानते हैं कि सहर कौन हैं. उनका सनी देओल के साथ भी एक क्लोज कनेक्शन है. चलिए हम आपको उनके बारे में बताते हैं. सहर 26 साल की हैं. उनका जन्म हिमाचल प्रदेश के शहर शिमला में हुआ था. उन्होंने मुंबई के जय हिंद कॉलेज से पढ़ाई की है. उन्होंने साल 2019 में सनी देओल के डायरेक्शन में बनी फिल्म पल पल दिल के पास से से डेब्यू किया था.सहर 26 साल की हैं. उनका जन्म हिमाचल प्रदेश के शहर शिमला में हुआ था. उन्होंने मुंबई के जय हिंद कॉलेज से पढ़ाई की है. उन्होंने साल 2019 में सनी देओल के डायरेक्शन में बनी फिल्म पल पल दिल के पास से से डेब्यू किया था. पल पल दिल के पास में सहर बंबा के साथ सनी देओल के बेटे करण देओल नजर आए थे. ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास कमाल नहीं दिखा पाई थी और फ्लॉप हो गई थी. अपनी डेब्यू फिल्म के अलावा सहर द मिरांडा ब्रदर्स नाम की एक फिल्म में भी काम कर चुकी हैं. वहीं अब वो शाहरुख खान की प्रोडक्शन कंपनी रेड चिलीज एंटरटेनमेंट के बैनर तले बनी रही सीरीज बैड्स ऑफ बालीवुड में दिखेंगी।

दोनों के चयन में क्या-क्या अंतर

जगदीप धनखड़ से राधाकृष्णन तक कैसे 180 डिग्री खुद घूम गई भाजपा?

नई दिल्ली, एजेंसी। भाजपा की अगुवाई वाले केंद्र के सत्ताधारी गठबंधन ह्ष्ठ ने उपराष्ट्रपति पद के चुनाव में महाराष्ट्र के राज्यपाल चंद्रपुरम पोन्नुसामी राधाकृष्णन को उम्मीदवार बनाने की घोषणा की है। अगर वह जीतते हैं तो जगदीप धनखड़ की जगह लेंगे, जिन्होंने पिछले महीने संसद के मॉनसून सत्र के पहले ही दिन अचानक अपने पद से इस्तीफा दे दिया था।

राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ (ऋस्र्स्) के एक साधारण कार्यकर्ता से उठ कर राजनीति का लम्बा सफर तय करने वाले 68 वर्षीय सीपी राधाकृष्णन की एक सुलझे और सौम्य नेता के रूप में पहचान रही है। अपने कार्यकाल के दौरान विपक्ष के निशाने पर रहने वाले जगदीप धनखड़ का उत्तराधिकारी चुनने में भाजपा को 180 डिग्री का टर्न लेना पड़ा है। बता दें कि धनखड़ को 2022 में जाट विरोध प्रदर्शनों के बीच उपराष्ट्रपति चुनाव में उम्मीदवार के रूप में चुना गया था। सत्ताधारी भाजपा और उसके गठबंधन ने तब धनखड़ का चयन कर जाट किसानों को यह संदेश देने की कोशिश की थी कि जाटों का मुद्दा और जाट समुदाय सरकार की प्राथमिकताओं में हैं और उनकी बात हमेशा सुनी जाती है।

दक्षिण और ओबीसी पर फोकस

अब तीन साल बाद, उसी पद पर सीपी राधाकृष्णन का चयन किया गया है। तमिलनाडु के मोदी कहे जाने वाले राधाकृष्णन का चयन ओबीसी सोशल इंजीनियरिंग और दक्षिण में भाजपा की विस्तार योजनाओं पर केंद्रित है। अब तक पार्टी कर्नाटक को छोड़कर दक्षिणी राज्यों खासकर तमिलनाडु और केरल में पैर जमाने में विफल रही है। सीपी राधाकृष्णन उसी तमिलनाडु से आते हैं। वहां अगले साल विधानसभा चुनाव होने हैं। वह प्रभावशाली ओबीसी समुदाय से ताल्लुक रखते हैं।

दोनों में क्या-क्या अंतर?

जगदीप धनखड़ की पहचान एक आक्रामक वकील और मुखर राजनेता के रूप में रही है। वह अपनी तीखी और टकराव वाली शैली के लिए जाने जाते हैं। जब वह पश्चिम बंगाल के गवर्नर थे, तभी उन्हें उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार के रूप में पदोन्नति मिली थी। जब तक वह बंगाल के राज्यपाल रहे, तब तक ममता बनर्जी सरकार के साथ उनके मतभेद सुर्खियाँ बनते रहे। जब वह राज्यसभा के सभापति बनकर आए तो, वहां भी वह अपनी टिप्पणियों के लिए मुखर रहे। विपक्ष ने धनखड़ को अक्सर एक पक्षपाती व्यक्ति के रूप में देखा।

राज्यसभा को आक्रामकता नहीं, संतुलन की जरूरत

अब एनडीए ने राधाकृष्णन को उम्मीदवार बनाया है, जिनका स्वभाव इस संवैधानिक पद और भूमिका के लिए ज्यादा बेहतर है। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि राधाकृष्णन का चयन कर भाजपा और एनडीए ने एक साथ कई संदेश देने की कोशिश की है। ओबीसी और दक्षिण को साधने के अलावा भाजपा ने उन्हें मैदान में उतारकर यह संदेश भी देने की कोशिश की है कि संसद के उच्च सदन राज्यसभा को आक्रामकता की नहीं, बल्कि संतुलन की जरूरत है और उस संतुलन को बनाए रखने में धनखड़ की तुलना में राधाकृष्णन अधिक कारगर होंगे।

कुछ मसलों पर धनखड़ सीमित, जबकि राधाकृष्णन समावेशी

इसके अलावा जगदीप धनखड़ की सियासी पृष्ठभूमि समाजवादी और कांग्रेसी की रही है, वह बाद में भाजपाई हुए जबकि राधाकृष्णन भाजपा के वैचारिक मार्गदर्शक, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की विचारधारा से उपजे नेता हैं। राधाकृष्णन का 17 साल की उम्र से ही आरएसएस और जनसंघ से जुड़ाव रहा है, जबकि धनखड़ कानूनी और राजनीतिक पृष्ठभूमि से आए थे और उनका आरएसएस से कोई पुराना नाता नहीं था। जगदीप धनखड़ से उलट राधाकृष्णन पर कोई राजनीतिक बोझ भी नहीं है और उन्हें आम सहमति बनाने वाले संभावित उम्मीदवार के रूप में ज़्यादा देखा जाता है। सूत्रों के अनुसार, धनखड़ राजनीति को जाति-क्षेत्र तक सीमित रखते थे जबकि राधाकृष्णन इसे राष्ट्रीय समावेशिता तक विस्तारित करते रहे हैं।

राहुल गांधी से एफिडेविट मांगते हैं, लेकिन अनुराग ठाकुर से क्यों नहीं: कांग्रेस

नई दिल्ली, एजेंसी। राहुल गांधी के वोट चोरी के आरोपों के जवाब में हुई मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार की प्रेस कॉन्फ्रेंस पर कांग्रेस ने पलटवार किया है। कांग्रेस ने कहा है कि राहुल गांधी से तो एफिडेविट मांगा जाता है, लेकिन बीजेपी सांसद अनुराग ठाकुर से नहीं। चुनाव आयोग प्रमुख ने रविवार को एक लंबी प्रेस वार्ता में राहुल गांधी समेत विपक्षी नेताओं द्वारा गत दिनों में कथित वोट चोरी और चुनावों में धांधली के आरोपों को खारिज करते हुए हफ्तेभर में हलफनामा दाखिल करने या फिर देश से माफी मांगने के लिए कहा था। कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा ने मुख्य चुनाव आयुक्त पर निशाना साधते हुए कहा, देश के मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार गुप्ता ने प्रेस वार्ता की, लेकिन उनके शब्द और उनकी स्क्रिप्ट बीजेपी वाली थी। नेता विपक्ष राहुल गांधी ने वोट चोरी और एसआईआर को लेकर कई सवाल किए, लेकिन आपने जवाब नहीं दिया। चुनाव आयोग ने जिन लोगों को मृत घोषित कर दिया, वो राहुल गांधी जी के साथ चाय पी रहे थे। कांग्रेस ने पूछा, ज्ञानेश जी बताएं, अगर सीसीटीवी फुटेज से प्राइवेसी भंग हो जाएगी, तो सीसीटीवी क्यों है? आप राहुल जी से एफिडेविट मांगते हैं, लेकिन अनुराग ठाकुर से क्यों नहीं? ज्ञानेश कुमार गुप्ता जी, हम नहीं बल्कि नरेंद्र मोदी आपके कंधों पर बंदूक रखकर लोकतंत्र की हत्या कर रहे हैं। हमारा आग्रह है- इस हत्या में भागीदार मत बनिए। न्यूज एजेंसी एएनआई से बात करते हुए, पवन खेड़ा ने चुनाव आयोग पर निशाना साधते हुए कहा, जो लोग गलत करते हैं वे डरे हुए हैं... भारत के लोकतंत्र पर हमला करने वालों को डरना ही होगा। हम भारत के संविधान को बचाने के लिए हैं... जब आपका मालिक डरने लगेगा, तो आप (भारत का चुनाव आयोग) भी डर जाएंगे। कांग्रेस नेता ने चुनाव आयोग की भी आलोचना की और आरोप लगाया कि आयोग पार्टी द्वारा उठाई गई प्रमुख चिंताओं का जवाब देने में विफल रहा। उन्होंने आगे कहा, जिन्हें (चुनाव आयोग द्वारा) मृत घोषित कर दिया गया था, वे लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के साथ चाय पी रहे थे। क्या उन्हें शर्म नहीं आई?... उन्हें हमारे द्वारा उठाए गए सवालों का जवाब देना चाहिए।

संक्षिप्त समाचार

भाजपा जिलाध्यक्ष ने मकबरे की तस्वीर की आरती की, वीडियो वायरल, मच गया सियासी बवाल

फतेहपुर , एजेंसी। भाजपा के फतेहपुर जिला अध्यक्ष मुखलाल पाल का एक मकबरे की तस्वीर की आरती करते हुए वीडियो वायरल हो गया है। उन्होंने खुद को कट्टर सनातनी बताते हुए कहा कि वह स्थल पर नहीं जा सकते थे, इसलिए अपने घर पर प्रतीकात्मक पूजा की। यह घटना फतेहपुर में पहले हुए एक मकबरे विवाद से जुड़ी है और इसने नए सिरे से राजनीतिक और धार्मिक बहस छेड़ दी है। जब पूरे देश में जन्माष्टमी समारोह हो रहा था उसी बीट भाजपा के फतेहपुर जिला अध्यक्ष मुखलाल पाल ने एक कारनामा करके विवाद खड़ा कर दिया। भाजपा के फतेहपुर जिला अध्यक्ष ने अपने आवास पर मकबरे की तस्वीर के सामने आरती की। जिसका एक कथित वीडियो सोशल मीडिया पर व्यापक रूप से प्रसारित हो रहा है। कथित वीडियो में भाजपा नेता मुखलाल पाल यह कहते हुए दिखाई दे रहे हैं कि एक कट्टर सनातनी होने के नाते वह स्थल पर नहीं जा सकते थे, लिहाजा उन्होंने प्रतीकात्मक रूप से अपने घर पर मकबरे की तस्वीर की पूजा की। उन्होंने लोगों से अपने घरों में ही अनुष्ठान (आरती) करने का आग्रह किया और स्पष्ट किया कि वह कथित विवादित स्थल पर पूजा नहीं कर रहे हैं। पाल ने घोषणा की कि भविष्य का संघर्ष भगवान कृष्ण के नाम पर आगे बढ़ाया जाएगा। दक्षिणपंथी संगठनों के सदस्यों ने 11 अगस्त को फतेहपुर में अब्दुल समद के मकबरे पर धावा बोलकर कब्रों को क्षतिग्रस्त कर दिया था। उन्होंने मकबरे को हिंदू मंदिर बताते हुए पूजा करने की अनुमति मांगी थी। इस मामले में फतेहपुर थाने में 10 नामजद और 150 अज्ञात लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई थी। इस मामले की गूंज उत्तर प्रदेश विधानसभा में भी सुनायी दी थी। विधानसभा में विपक्ष के नेता माता प्रसाद पांडे ने सरकार से सवाल किया था कि दर्ज मुकदमे में मकबरे पर हमले के मुख्य षड्यंत्रकारी रहे भाजपा की फतेहपुर इकाई के अध्यक्ष मुखलाल पाल का नाम क्यों नहीं है।

छत्तीसगढ़ में 19 लाख के इनामी 4 नक्सलियों का सरेंडर, एक खूंखार माओवादी भी गिरफ्तार

गरियाबंद, एजेंसी। छत्तीसगढ़ के एंटी नक्सल ऑपरेशन में फोर्स को बड़ी सफलता मिली है। डीवीसी मेंबर सहित 19 लाख रुपए के 4 इनामी नक्सलियों ने एनकाउंटर में मारे जाने के डर से सरेंडर कर दिया। नक्सलियों से मिले इनपुट के आधार पर सुरक्षा बल ने 16 लाख रुपए नकद और हथियार बरामद किया है। सरेंडर करने वाले नक्सलियों में डीवीएस मेंबर दीपक मंडावी और उसका सहयोगी कैलाश, रानिता और सुजाता शामिल हैं। ये सभी धमतरी-गरियाबंद नुआपड़ा डिवीजन कमेटी में साल 2013 से सक्रिय थे। इसी गरियाबंद में केंद्रीय समिति सदस्य जयराम उर्फ ??चलपथी सहित 16 नक्सली को सुरक्षा बल जवानों ने मुठभेड़ में मार गिराया था। गरियाबंद मुख्यालय में रायपुर रेंज आईजी अमरेंद्र मिश्रा, आईजी नक्सल ऑपरेशन अंकित गर्ग ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर इसकी जानकारी दी।

सरेंडर करने वालों में डीवीसीएम दीपक उर्फ भीमा मंडावी, प्रोटेक्शन टीम के कैलाश उर्फ भीमा भोगाम, एरिया कमेटी सदस्य रानिता उर्फ पायकी और एरिया कमेटी सदस्य सुजीता उर्फ उरें कारम शामिल हैं। दीपक मंडावी पर 8 लाख रुपए, कैलाश और रानिता पर 5-5 लाख रुपए और सुजीता पर 1 लाख रुपए इनाम घोषित था। सरेंडर करने वाले नक्सलियों की निशानदेही पर 16 लाख रुपए नकद, 31 जिंदा कारतूस, दो खाली मैगजीन, डेटोनेटर, 8 बीजीएल, 12 बोर राउंड, और नक्सली साहित्य बरामद किया गया। पुलिस ने बताया कि सुरक्षा बलों की कार्रवाई के बाद से नक्सली संगठन में टूट नजर आ रही है।

दिल्ली को फिर डरा रही यमुना, हथिनीकुंड बैराज के सभी 18 गेट खोले गए, तेजी से बढ़ रहा बाढ़ का खतरा

नई दिल्ली/यमुनानगर, एजेंसी। लगतार बारिश के चलते उफान पर आई यमुना के कारण दिल्ली में एक बार फिर बाढ़ का खतरा मंडराने लगा है। यमुना नदी का जलस्तर बढ़ने से हरियाणा के हथिनीकुंड बैराज के सभी 18 गेट खोल दिए गए हैं। इस मौसम में यह पहली बार था जब बैराज के सभी गेट खोले गए हैं। भारत में गंगा सहित कई नदियों का जलस्तर बढ़ रहा है। दिल्ली में यमुना नदी का जलस्तर मंगलवार तक 206 मीटर पर पहुंच सकता है। सिंचाई विभाग के एग्जीक्यूटिव इंजीनियर विजय गर्ग ने बताया कि भारी बारिश के कारण नदी में 1.78 लाख क्यूसेक पानी आ गया है, जिससे जलस्तर बढ़ गया है। गर्ग ने कहा, हाल ही में हुई बारिश के बाद नदी में 1.78 लाख क्यूसेक पानी आ गया है। यह इस मौसम का सबसे अधिक जलस्तर है।

दिल्ली में सीडब्ल्यूसी की ओर से बाढ़ संबंधी एडवाइजरी जारी : केंद्रीय जल आयोग (सीडब्ल्यूसी) की ओर से रविवार को जारी एक एडवाइजरी में कहा गया है कि दिल्ली में यमुना नदी का जलस्तर 19 अगस्त तक 206 मीटर तक पहुंचने की आशंका है, जो 205.33 मीटर के खतरे के निशान को पार कर जाएगा। रविवार शाम करीब 7 बजे यमुना नदी का जलस्तर चेतावनी स्तर को पार करते हुए पुराने रेलवे पुल पर 204.60 मीटर के निशान पर पहुंच गया था।

दिल्ली के लिए चेतावनी स्तर 204.50 मीटर है, जबकि खतरे का स्तर 205.33 मीटर है और 206 मीटर पर लोगों को निकालने की प्रक्रिया शुरू की जाती है। पुराना रेलवे पुल नदी के प्रवाह और संभावित बाढ़ जोखिमों की निगरानी के लिए एक प्रमुख निरीक्षण पॉइंट के रूप में काम करता है। एडवाइजरी में कहा गया है, आज 17 अगस्त को हथिनीकुंड बैराज से छोड़े गए पानी की मात्रा और ऊपरी यमुना क्षेत्र में भारी वर्षा को देखते हुए, यह सूचित किया जाता है कि दिल्ली रेलवे पुल पर जल स्तर 19 अगस्त 2025 को देर रात लगभग दो बजे 206.00 मीटर को पार कर सकता है। सीडब्ल्यूसी ने कहा कि सभी संबंधित एजेंसियों से बाढ़ जैसी स्थिति से निपटने के लिए एहतियाती कदम उठाने को कहा गया है। केंद्रीय बाढ़ नियंत्रण कक्ष के एक अधिकारी ने कहा, ''जल स्तर में वृद्धि का मुख्य कारण वजीराबाद और हथिनीकुंड बैराज से हर घंटे बड़ी मात्रा में पानी छोड़ा जाना है।'' बाढ़ नियंत्रण विभाग के अनुसार, हथिनीकुंड बैराज से इस सीजन में सबसे अधिक मात्रा में लगभग 1,27,030 क्यूसेक पानी छोड़ा जा रहा है, जबकि वजीराबाद से हर घंटे 45,620 क्यूसेक पानी छोड़ा जा रहा है। दोनों बैराज से छोड़ा गया पानी आमतौर पर 48 से 50 घंटे में दिल्ली पहुंचता है।

अच्छा व्यक्तित्व, कोई विवाद भी नहीं ; संजय राउत ने की राधाकृष्णन की तारीफ

मुंबई, एजेंसी। शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने एनडीए द्वारा उपराष्ट्रपति पद के लिए चुने गए उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन की तारीफ करते हुए शुभकामनाएं दी हैं। इसके साथ ही, राउत ने उन्हें एक बहुत अच्छा व्यक्तित्व का धनी बताया है। राधाकृष्णन अभी महाराष्ट्र के राज्यपाल हैं। न्यूज एजेंसी एएनआई से बात करते हुए, संजय राउत ने कहा, वह एक बहुत ही अच्छे व्यक्तित्व के धनी हैं, गैर-विवादास्पद।

उनके पास बहुत अनुभव है। मैं उन्हें शुभकामनाएं देता हूं। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) ने रविवार को महाराष्ट्र के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन को 9 सितंबर को होने वाले आगामी उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए अपना उम्मीदवार घोषित किया है। यह घोषणा भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने राष्ट्रीय राजधानी में पार्टी की संसदीय बोर्ड की बैठक के बाद एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान की।

निर्वाचन आयोग एसआईआर पर विपक्ष के सवालों के जवाब देने में विफल रहा : शिवसेना (उबाठा)

मुंबई, एजेंसी। शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) ने रविवार को आरोप लगाया कि निर्वाचन आयोग बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का समर्थन करते हुए विपक्ष की ओर से उठाए गए सवालों का जवाब देने में विफल रहा और वह बिल्कुल अनभिज्ञ प्रतीत होता है।

शिवसेना (उबाठा) नेता आदित्य ठाकरे ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि चुनाव निकाय को तटस्थ होना चाहिए, लेकिन उसने अपने आकाओं की ओर से दी गई 'स्क्रिप्ट' पढ़ी। उन्होंने लिखा, धोखेबाज आयोग ने आज अपनी प्रेस वार्ता से यह साबित कर दिया कि उसे इस बारे में बिल्कुल भी पता नहीं है कि राजनीतिक दलों और मीडिया की ओर से पूछे गए तीखे सवालों का क्या जवाब देना है।

आदित्य ने सवाल किया, यही वह संस्था है, जिसने यह सुनिश्चित किया है कि भारत स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनावों से दूर रहे। क्या हम ऐसे फर्जी अधिकारियों वाली इस संस्था पर

निष्पक्ष चुनाव प्रक्रिया सुनिश्चित करने का भरोसा कर सकते हैं? वहीं, राकांपा (एसपी) के प्रवक्ता क्लाइड क्रैस्टो ने कहा, निर्वाचन आयोग की 'क्या-क्या' करने की प्रवृत्ति से उस पर उठाए गए सवालों पर यकीन और अधिक बढ़ गया है। बिंदुवार जवाब देने के बजाय, आयोग गोल-गोल घुमा रहा है और यह दिखाने की कोशिश कर रहा है कि व्यवस्था में कुछ भी गलत नहीं है।

उपराष्ट्रपति पद के प्रत्याशी सीपी राधाकृष्णन के लिए समर्थन जुटाने की कोशिश, राजनाथ ने खरगे से की बात

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्र में सत्ताधारी गठबंधन एनडीए ने उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए अपने प्रत्याशी की घोषणा कर दी है। वर्तमान में महाराष्ट्र के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन को उम्मीदवार बनाया है। प्रत्याशी घोषित होने के बाद भाजपा की तरफ से केंद्रीय रक्षा मंत्री ने समर्थन जुटाने की कोशिशें तेज कर दी हैं। सूत्रों के मुताबिक केंद्रीय मंत्री ने रविवार शाम को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे से समर्थन के सिलसिले में बात की थी एएनआई की रिपोर्ट के मुताबिक उपराष्ट्रपति पद का चुना 9 सितंबर को संपन्न होगा।

इस चुनाव में एनडीए की तरफ से रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ही कमान संभालेंगे, जबकि किरेन रिजिजू इलेक्शन एजेंट की भूमिका निभाएंगे। गौरतलब है कि जगदीप धनखड़ के इस्तीफा देने के बाद से उपराष्ट्रपति पद को लेकर तमाम कयास लगाए जा रहे थे। हर रोज नए-नए नाम उछाले जा रहे थे। इन सब कयासों पर रविवार को भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने रोक लगाते हुए रविवार को

महाराष्ट्र के राज्यपाल सी पी राधाकृष्णन के नाम की घोषणा कर दी। इसके साथ की नड्डा ने कहा कि भाजपा सभी विपक्षी पार्टियों से भी बात करके निर्विरोध चुनाव करवाने की कोशिश करेंगे। बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नड्डा ने कहा, हम विपक्ष से भी बात करेंगे। उनका समर्थन लेकर उपराष्ट्रपति पद का चुनाव निर्विरोध करवाने की कोशिश करेंगे।

हम पहले भी कह चुके हैं कि हम उनके संपर्क में है... हमारे वरिष्ठ नेताओं ने उनके नेताओं के साथ संपर्क किया था, हम अभी भी उनके संपर्क में हैं। जहाँ तक एनडीए के घटक दलों का सवाल है तो वह सभी हमारे समर्थन में हैं। सी पी राधाकृष्णन एनडीए की तरफ से उपराष्ट्रपति पद के प्रत्याशी हैं। आपको बता दें कि उपराष्ट्रपति और राज्यसभा के सभापति का पद तब खाली हो गया था, जब बीच कार्यकाल में ही 21 जुलाई को जगदीप धनखड़ ने स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए पद से इस्तीफा दे दिया था। इसके बाद चुनाव आयोग ने पद के चुनाव के लिए ऐलान करते हुए बताया कि चुनाव 9 सितंबर को होंगे, जबकि नामांकन फार्म 21 अगस्त तक जमा किए जाएंगे।

समाजवाद-धर्मनिरपेक्ष डिलीट करेंगे तभी मूल भावना में आएगा संविधान

राजा भैया का कांग्रेस पर निशाना

कुंडा, एजेंसी। यूपी की कुंडा सीट से विधायक और जनसत्ता दल लोकतांत्रिक के राष्ट्रीय अध्यक्ष रघुराज प्रताप सिंह उर्फ राजा भैया ने संविधान से समाजवाद और धर्मनिरपेक्ष शब्द को हटाने की मांग कर दी है। एक निजी न्यूज चैनल के पॉडकास्ट में उन्होंने कहा कि जब समाजवाद और सेक्युलर शब्द डिलीट होंगे तभी वो मूल भावना में आएगा। उन्होंने कहा, हम चाहते हैं कि हमारे संविधान की, जो मूल प्रस्तावना है, उसका वही स्वरूप होना चाहिए।

राजा भैया ने इस बातचीत के दौरान कांग्रेस पर भी जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि जिन विद्वानों ने संविधान की रचना की उन्होंने इन शब्दों को शामिल नहीं किया। इमरजेंसी के समय में इंदिरा गांधी जी ने प्रस्तावना में संशोधन कर दिया। इससे क्या समझा जाए कि इंदिरा गांधी, बाबा साहब से बड़ी विद्वान हो गई थीं या सरदार पटेल से बड़ी विद्वान थीं? यह तानाशाही थी। क्या आप समाजवाद नहीं चाहते हैं? इस सवाल पर राजा भैया ने कहा कि क्या कांग्रेस समाजवाद चाहती थी? ये संशोधन तो इंदिरा गांधी ने किया है। समाजवाद से तो उनका छत्तीस का आंकड़ा था। समाजवादी सोच के तो डीएनए में कांग्रेस विरोध है। राजा भैया ने कहा कि दुनिया में कई ऐसे देश हैं जहां संविधान नहीं। जहां राजतंत्र है, सुल्तान बैठे हैं या तानाशाही है वहां संविधान का कोई मतलब नहीं है। लेकिन जिन देशों में संविधान है वहां हर संविधान की एक प्रस्तावना है जो कि संविधान की मूल आत्मा होती है।

राजा भैया ने कहा कि हमारे देश में संविधान शिल्पी बाबा साहब अंबेडकर, पंडित नेहरू, सरदार पटेल, सरोजनी नायडू समय अन्य विद्वान थे, जिन्होंने बाबू राजेंद्र प्रसाद की अध्यक्षता में संविधान सभा ने संविधान का निर्माण किया था। एक अन्य सवाल के जवाब में राजा भैया ने कहा कि भारत तो सनातनी है ही। भारत आज यदि एक धर्मनिरपेक्ष राष्ट्र है तो सिर्फ इसलिए कि यह सनातन बाहुल्य देश है। अंग्रेज जब भारत से जाने लगे तो अलामा इकबाल और जिन्ना ने कहा कि मुसलमान हिंदू के साथ नहीं रह सकता। गौर करने वाली बात है कि कभी भी हिंदुओं ने नहीं कहा कि हम मुसलमानों के साथ नहीं रह सकते बल्कि उन्होंने पाकिस्तान जाने वालों को रोका कि मत जाइए, हम यहां भाई-भाई की तरह रहेंगे। एक अन्य सवाल के जवाब में राजा भैया ने कहा कि हम बिल्कुल चाहते हैं कि यह एक हिंदू राष्ट्र हो जाए।

राजस्थान में बाघों से भरे जंगल में पर्यटकों को छोड़ भाग गया गाइड, डेढ़ घंटे तक फंसे रहे लोग

जयपुर, एजेंसी। राजस्थान के रणथंभौर नेशनल पार्क से चौंकाने वाला मामला सामने आया है। यहां पर्यटकों का एक ग्रुप पार्क के जोन 6 में बाघों से भरे जंगल में लगभग 90 मिनट तक फंसा रहा। जानकारी के मुताबिक उनका सफारी कैंटर रास्ते में खराब हो गया था। आरोप है कि उनका गाइड ने उन्हें वहीं छोड़कर भाग गया था जिसके चलते पर्यटक करीब 90 मिनट तक वहीं फंसे रहे। इन पर्यटकों में महिलाएं, बच्चे समेत कई लोग शामिल थे। उनका आरोप है कि गाइड ये कहकर वहां से भाग गया कि वह दूसरा कैंटर लगवा देगा। इसके बाद उसने पर्यटकों से बदसलूकी भी की और उन्हें वहीं छोड़कर चला गया। यह भयावह स्थिति तब शुरू हुई जब शाम लगभग 6 बजे महिलाओं, बच्चों और अन्य पर्यटकों को ले जा रहा कैंटर खराब हो गया। पर्यटकों ने आरोप लगाया कि उनका गाइड यह कहकर गाड़ी छोड़कर चला गया कि वह दूसरा कैंटर लगवा देगा, लेकिन बदसलूकी करने के बाद भाग गया। एनडीटीवी की रिपोर्ट के मुताबिक पर्यटकों ने इस घटना का वीडियो भी बनाया। इसमें बच्चे मोबाइल की रोशनी में अंधेरे में बैठे और जंगल के बीचों-बीच डर के मारे रोते हुए दिखाई दिए। जजानकारी के मुताबिक यहां 60 से ज्यादा बाग रहते हैं। इसके अलावा तेंदुओं, भालूओं और दलदली मगरमच्छों की भी यहां अच्छी-खासी आबादी है। रिपोर्ट के मुताबिक र्यटक शाम 6 बजे से 7:30 बजे तक जंगल में फंसे रहे, उसके बाद उन्हें आखिरकार बचा लिया गया। रणथंभौर टाइगर रिजर्व के फील्ड डायरेक्टर ने कहा कि पार्क में पर्यटकों की सुरक्षा हमारे लिए सबसे जरूरी है।

ईशान किशन दलीप ट्रॉफी के पहले मैच से बाहर, आकाश दीप को आराम की सलाह

नई दिल्ली, एजेंसी। विकेटकीपर-बल्लेबाज ईशान किशन दलीप ट्रॉफी के पूर्वी क्षेत्र के पहले मैच से बाहर रहेंगे क्योंकि वह वर्तमान में यूके में नॉटिंघमशायर के साथ काउंटी क्रिकेट के दौरान लगी चोट से उबर रहे हैं। 28 नवंबर से शुरू होने वाले इस मुकाबले के लिए किशन की जगह पूर्वी क्षेत्र की टीम में ओडिशा के आशीर्वाद स्वैन को शामिल किया गया है। किशन को चोट के कारण कई टांके लगाने पड़े, यही वजह है कि उन्हें इंग्लैंड के खिलाफ ओवल में होने वाले पांचवें और अंतिम टेस्ट से पहले ऋषभ पंत की जगह नहीं चुना गया था, क्योंकि सुपरस्टार बल्लेबाज पैर की चोट के कारण बाहर हो गए थे।

आखिरकार, ध्रुव जुरेल के बैकअप के रूप में तमिलनाडु के नारायण जगदीशन को उनकी जगह लिया गया। किशन की चोट गंभीर नहीं है क्योंकि पूर्वी क्षेत्र के लिए अभियान के पहले मैच में न खेल पाना एहतियाती कदम है क्योंकि वह अगले महीने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ घरेलू मैदान पर दो चार दिवसीय मैच खेलने वाली भारत ए टीम में शामिल होने के लिए दौड़ में हो सकते हैं। किशन बेंगलुरु स्थित भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में अपनी रिकवरी और मूल्यांकन जारी रखेंगे। कुमार कुशाग्र उनकी जगह पहली पसंद के विकेटकीपर के रूप में खेल सकते हैं। इसके अलावा पूर्वी क्षेत्र को तेज गेंदबाज आकाश दीप की सेवाएं भी नहीं मिलेंगी क्योंकि उन्हें आराम करने की सलाह दी गई है।

उनकी चोट या अन्य परेशानी को लेकर कोई जानकारी नहीं है। हाल ही में इंग्लैंड दौरे पर जहां वह पीठ दर्द के कारण चौथे टेस्ट मैच में नहीं खेल पाए थे, उन्होंने तीन टेस्ट मैचों में 13 विकेट लिए थे, जिसमें बर्मिंघम में 10 विकेट भी शामिल है और उन्होंने ओवल में अंतिम टेस्ट मैच में एक शानदार अर्धशतक भी बनाया था। असम के मुख्तार हुसैन ने अभिमन्यु ईश्वरन की अगुवाई वाली टीम में उनकी जगह ली है। ईस्ट जोन अपने अभियान की शुरुआत शुभमन गिल की अगुवाई वाले नॉर्थ जोन के खिलाफ स्टेडियम में करेगा। रियान पराग, ईश्वरन को उप-कप्तान के रूप में अपनी सेवाएं देंगे। टीम में मोहम्मद शमी भी शामिल हैं, जिन्होंने पिछले दो सालों में सिर्फ एक प्रथम श्रेणी मैच खेला है और मुकेश कुमार भी।

दलीप ट्रॉफी के पहले मैच के लिए ईस्ट जोन की टीम:

अभिमन्यु ईश्वरन (कप्तान), आशीर्वाद स्वैन (विकेट कीपर), संदीप पटनायक, विराट सिंह, दानिश दास, श्रीदम पॉल, शरणदीप सिंह, कुमार कुशाग्र (विकेट कीपर), रियान पराग (उप-कप्तान), उत्कर्ष सिंह, मनीषी, सूरज सिंधु जायसवाल, मुकेश कुमार, मुख्तार हुसैन और मोहम्मद शमी।

एशिया कप के लिए भारतीय टीम चयन

गिल की पहेली को सुलझाना सबसे बड़ी चुनौती

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत की राष्ट्रीय चयन समिति संयुक्त अरब अमीरात में अगले महीने होने वाले एशिया कप के लिए मंगलवार को जब 15 सदस्यीय टीम का चयन करेगी तो उसके सामने एक मजबूत टी20 ढांचे में शुभमन गिल जैसे शानदार बल्लेबाज को फिट करना सबसे बड़ी चुनौती होगी। इंग्लैंड दौरे ने अपनी कप्तानी और बल्लेबाजी से प्रभावित करने वाले गिल के लिए 9 से 28 सितंबर तक होने वाले महाद्वीपीय टूर्नामेंट में खेलने वाली टीम में जगह बनाना मुश्किल नजर आ रहा है। अजीत अगरकर और उनके सहयोगियों के लिए यह सबसे बड़ी पहेली होगी, लेकिन भारतीय क्रिकेट इस समय टी-20 प्रतिभाओं का कारखाना है, जिसमें कम से कम 30 खिलाड़ी राष्ट्रीय टीम में आने के लिए तैयार हैं और एक स्थान के लिए तीन से चार विकल्प उपलब्ध हैं। बल्लेबाजी क्रम में शीर्ष तीन स्थानों के लिए समान योग्यता रखने वाले छह क्रिकेटर उपलब्ध हैं। अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन और तिलक वर्मा ने पिछले सत्र में राष्ट्रीय टीम की तरफ से शानदार प्रदर्शन किया है लेकिन गिल, यशस्वी जायसवाल और साई सुदर्शन को भी उनसे कम करके नहीं आंका जा सकता। गेंदबाजी में कुलदीप यादव, वरुण चक्रवर्ती और रवि बिश्नोई के बीच एक स्थान के लिए संघर्ष है। इन सबमें सबसे चतुर खिलाड़ी युजवेंद्र चहल को लंबे समय से नज़रअंदाज़ किया जा रहा है। लेकिन चयनकर्ता केवल 15 खिलाड़ियों का ही चयन कर सकते हैं और टी-20 टीम के निर्णय लेने वाले पदों पर बैठे लोगों का दृष्टिकोण दिलचस्प है। टीम प्रबंधन के एक महत्वपूर्ण सदस्य का मानना है कि पिछले सत्र में नियमित रूप से अंतिम एकादश में शामिल रहे किसी भी खिलाड़ी को किसी बड़े स्टार को जगह देने के लिए टीम से बाहर करना सही नहीं होगा। दूसरी विचारधारा यह है कि भारतीय क्रिकेट सभी प्रारूपों में खेलने वाले एक कप्तान के साथ सही दिशा में आगे बढ़ता है जो उसका सबसे बड़ा मार्केटिंग ब्रांड भी बन जाता है।

डूरंड कपः

डूरंड कप में ईस्ट बंगाल की मोहन बागान पर 2-1 से जीत, सेमीफाइनल में डायमंड हार्बर एफसी की चुनौती

कोलकाता/जमशेदपुर, एजेंसी। मोहन बागान ने अनिरुद्ध थापा के 68वें मिनट में किए गोल से वापसी करने की कोशिश की लेकिन ईस्ट बंगाल ने मजबूत रक्षण से अपनी पकड़ बनाए रखी। ईस्ट बंगाल का सेमीफाइनल में 20 अगस्त को डायमंड हार्बर एफसी से मुकाबला होगा जिसने पदार्पण वर्ष में जमशेदपुर को 2-0 से हराया।

यूनान के स्ट्राइकर और स्थानापन्न खिलाड़ी दिमित्रियोस डायमांताकोस के दो गोल की मदद से ईस्ट बंगाल टीम ने रविवार को 134वें डूरंड कप फुटबाल के रोमांचक कोलकाता डर्बी में अपने चिर-प्रतिद्वंद्वी मोहन बागान को 2-1 से हराकर चौंका दिया। 18वें मिनट में मैदान पर आए डायमांताकोस ने 38वें मिनट में पेनाल्टी स्पॉट से गोल किया और फिर दूसरे हाफ के सातवें मिनट बाद ही अपने दूसरे गोल के साथ ईस्ट बंगाल की बढ़त को दोगुना कर दिया। मोहन बागान ने अनिरुद्ध थापा के 68वें मिनट में किए गोल से वापसी करने की कोशिश की लेकिन ईस्ट बंगाल ने मजबूत रक्षण से अपनी पकड़ बनाए रखी।

ईस्ट बंगाल का सेमीफाइनल में 20 अगस्त को डायमंड हार्बर एफसी से मुकाबला होगा जिसने पदार्पण वर्ष में जमशेदपुर को 2-0 से हराया। सैरुआटकिमा ने मैच के तीसरे और 41वें मिनट में गोल किए।

करियर की सबसे बुरी हार से टूटे नेमार, फूट-फूटकर रोए, सैंटोस के भड़के फैंस ने किया प्रदर्शन

नई दिल्ली, एजेंसी। ब्राजील के सुपरस्टार नेमार रविवार (18 अगस्त) को अपने पेशेवर क्लब करियर की सबसे बुरी हार से टूट गए। वह फूट-फूटकर रोते दिखे। सैंटोस को ब्राजीलियन सेरी ए मैच में वास्को दा गामा के हाथों 0-6 से हार का सामना करना पड़ा। दूसरे हाफ में छह में से पांच गोल दागे जाने के बाद सदमे में डूबे नेमार फुल टाइम के बाद रोते दिखे। इस जीत के साथ 16वें स्थान पर काबिज वास्को दा गामा का सैंटोस से दो अंक पीछे 19 अंक रह गया।

दोनों क्लब चार टीमों वाले रीलीगेशन जोन से बस थोड़ा आगे थे। लुकास पिटोन के शुरुआती गोल के बाद लिवरपूल और बार्सिलोना के पूर्व फॉरवर्ड कॉटिन्हो ने दूसरे हाफ में वास्को के लिए दो गोल दागे। डेविड कोरेया डी फोंसेका, रेयान और डैनिलो नेवेस के गोलों ने शानदार स्कोरलाइन को और मजबूत किया।

प्रशंसकों ने विरोध किया, कोच को बर्खास्त किया गया: नेमार को सहयोगी स्टाफ के एक सदस्य और वास्को दा गामा के मुख्य कोच फर्नांडो डिनिज ने सांत्वना दी जब वह ड्रेसिंग रूम की ओर वापस लौट रहे थे। सैंटोस ने परिणाम पर

अपनी नाराजगी व्यक्त की और मैदान की ओर पीठ करके विरोध जताया। इस अपमानजनक हार के परिणामस्वरूप मुख्य कोच क्लेबर जेवियर को तत्काल बर्खास्त कर दिया गया।

जून में अपने बचपन के क्लब के साथ एक नया अनुबंध पर हस्ताक्षर करने वाले नेमार ने कहा, मुझे शर्म आ रही है। मैं हमारे प्रदर्शन से पूरी तरह निराश हूं।

प्रशंसकों को विरोध करने का पूरा अधिकार है, जाहिर है बिना हिंसा केज लेकिन अगर वे गाली देना और अपमान करना चाहते हैं तो उन्हें पूरा हक है। नया कोच आते ही सुनील छेत्री पर गिरी गाज, नेशंस कप के लिए भारत के 35 संभावित खिलाड़ियों में नाम नहीं

बाहिया के खिलाफ अगले मैच से बाहर नेमार: नेमार ने कहा, यह बेहद शर्मिंदगी का एहसास है। मैंने जिंदगी में ऐसा पहले कभी नहीं देखा। बदकिस्मती से, ऐसा हुआ। आंसू गुस्से से थे। बदकिस्मती से मैं किसी भी तरह से मदद नहीं कर सकता। खैर यह पूरी तरह से बकवास था। यही सच्चाई है। जले पर नमक छिड़कते हुए नेमार को इस सत्र का तीसरा येलो कार्ड भी मिला। इससे वह बाहिया के खिलाफ अगले मैच से बाहर हो गए।

डायमंड लीग: भाला फेंक एथलीट नीरज चोपड़ा ने डायमंड लीग फाइनल के लिए क्वालिफाई किया

नई दिल्ली, एजेंसी। नीरज ने सिलेसिया चरण के बाद जारी नवीनतम तालिका के हिसाब से डायमंड लीग फाइनल के लिए जगह पक्की कर ली है। नीरज ने दो डायमंड लीग मीट में हिस्सा लिया और वह 15 अंक लेकर तीसरे स्थान पर हैं।

भारत के स्टार भाला फेंक एथलीट नीरज चोपड़ा ने डायमंड लीग 2025 फाइनल के लिए क्वालिफाई कर लिया है। यह मुकाबला स्विट्जरलैंड के ज्यूरिख में 27 और 28 अगस्त को होगा। गत विश्व चैंपियन नीरज ने 16 अगस्त को पोलैंड के सिलेसिया डायमंड लीग मीट में हिस्सा नहीं लिया था और उनके 22 अगस्त को ब्रसेल्स में होने वाले अगले डायमंड लीग चरण में हिस्सा लेने की भी जानकारी नहीं है।

हालांकि, इससे कोई फर्क नही पड़ता है कि वह ब्रसेल्स में हिस्सा लेंगे या नहीं क्योंकि नीरज ने सिलेसिया चरण के बाद जारी नवीनतम तालिका के हिसाब से डायमंड लीग फाइनल के लिए जगह पक्की कर ली है। नीरज ने दो डायमंड लीग मीट में हिस्सा लिया और वह 15 अंक लेकर तीसरे स्थान पर हैं। नीरज एक चरण में शीर्ष पर रहे थे, जबकि एक अन्य डायमंड लीग मीट में दूसरे स्थान पर थे। नीरज से आगे 17 अंक लेकर केशोर्न वालकॉट और 15 अंकों के साथ जूलियन वेबर हैं। ब्रसेल्स चरण के बाद तालिका में शीर्ष छह पर रहने वाले एथलीट ज्यूरिख में होने वाले डायमंड लीग फाइनल के लिए क्वालिफाई करेंगे।

इस सीजन बेहतरीन रहा है नीरज का प्रदर्शन

नीरज ने आखिरी बार पांच जुलाई को बंगलूरू में हुए नीरज चोपड़ा क्लासिक में हिस्सा लिया था जहां उन्होंने 86.18 मीटर का थ्रो कर खिताब जीता था। नीरज के लिए यह सीजन अब तक शानदार रहा है क्योंकि उन्होंने मई में दोहा डायमंड लीग में बहुप्रतिक्षित 90 मीटर का आंकड़ा पार कर लिया था। उन्होंने 90.23 मीटर का अपने करियर का सर्वश्रेष्ठ थ्रो फेंका था और वह वेबर के बाद दूसरे स्थान पर रहे थे। इसके बाद नीरज ने जून में पेरिस डायमंड लीग में 88.16 मीटर का थ्रो कर पहला स्थान प्राप्त किया था। नीरज 13 से 21 सितंबर तक टोक्यो में होने वाले विश्व चैंपियनशिप में अपने खिताब का बचाव करने उतरेंगे।

सीपीएल 2025:

मुनरो का तूफानी शतक पूरन का रिकॉर्ड तोड़ा

नई दिल्ली, एजेंसी। कॉलिन मुनरो की 57 गेंदों में 120 रनों की ऐतिहासिक पारी से ट्रिनबागो नाइट राइडर्स ने कैरेबियन प्रीमियर लीग 2025 में सेंट किट्स एंड नेविस पैट्रियट्स को 12 रनों से हरा दिया। 38 साल के न्यूजीलैंड के पूर्व खिलाड़ी ने 14 चौके और छह छक्के लगाए।

इस पारी के साथ वह शाहरुख खान की टीम ट्रिनबागो नाइट राइडर्स के लिए सर्वश्रेष्ठ पारी खेलने वाले बल्लेबाज बन गए। उन्होंने निकोलस पूरन का रिकॉर्ड तोड़ा। वह सीपीएल में संयुक्त रूप से तीसरे सर्वश्रेष्ठ व्यक्तिगत स्कोर वाले खिलाड़ी बन गए। मुनरो ने एलेक्स हेल्स (27 गेंदों पर 47 रन) के साथ पहले विकेट के लिए 114 रन जोड़े। इससे ट्रिबागो नाइट राइडर्स का स्कोर 231/5 हो गया। यह टूर्नामेंट के इतिहास का सातवां सर्वोच्च स्कोर था। सेंट किट्स एंड नेविस पैट्रियट्स के लिए काइल मेयर्स (32) और आंद्रे फ्लेचर (41) ने पहले विकेट के लिए 80 रनों की साझेदारी की, लेकिन यह जोड़ी पांच गेंद के अंदर स्पिनर उस्मान तारिक और अकील होसेन का शिकार बन गई।

नाइट राइडर्स तालिका में शीर्ष पर पहुंची

कप्तान होल्डर ने 22 गेंदों में 44 रन बनाए, लेकिन उनकी टीम 7 विकेट पर 219 ही बना पाई। अपने पहले मैच में जीत से नाइट राइडर्स तालिका में शीर्ष पर पहुंच गई। पैट्रियट्स तीन मैचों में एक जीत के साथ एक स्थान गिरकर तीसरे नंबर पर आ गई। मुनरो अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले चुके हैं, लेकिन दुनिया भर की टी20 लीग में अपनी धाक जमाए हुए हैं। उन्होंने चार साल बाद अपना पहला टी20 शतक लगाया। इससे पहले वह सीपीएल में दो साल पहले सेंट लूसिया किंग्स के लिए खेले थे।

ट्रिनबागो नाइट राइडर्स के लिए सर्वश्रेष्ठ पारी

ट्रिनबागो नाइट राइडर्स के लिए सर्वश्रेष्ठ पारी कोलिन मुनरो के नाम हो गई। इस टीम के लिए उन्होंने दूसरा शतक लगाया। इससे पहले सर्वश्रेष्ठ पारी निकोलस पूरन के नाम था। पूरन ने बारबडोस रॉयल्स के खिलाफ 2023 में नाबाद 102 रन बनाए। इसके अलावा वह 101 रन की पारी के साथ तीसरे नंबर पर भी काबिज हैं। मुनरो और मार्टिन गुप्टिल नाबाद 100 रन की पारी खेल चुके हैं।

पूर्व चयनकर्ता का बयान, प्रसिद्ध कृष्णा से पहले इस खिलाड़ी को मिलेगी प्राथमिकता

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के पूर्व मुख्य चयनकर्ता और 1983 विश्व कप विजेता टीम के सदस्य क्रिस श्रीकांत ने आगामी टी20 एशिया कप 2025 के लिए मोहम्मद सिराज का समर्थन किया। श्रीकांत को लगता है कि 31 वर्षीय सिराज को तेज गेंदबाज के रूप में इस्तेमाल किए जा सकते है। श्रीकांत ने कहा, जसप्रीत बुमराह और अर्शदीप सिंह का चयन तय है। मेरा मानना है कि सिराज को प्रसिद्ध कृष्णा पर तरजीह दी जाएगी। उनमें लड़ने के गुण है। प्रसिद्ध ने आईपीएल में बहुत अच्छी गेंदबाजी की थी।

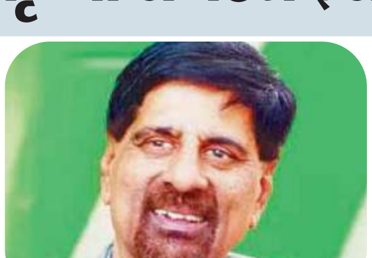

उन्होंने शानदार प्रदर्शन किया था, लेकिन अतिरिक्त मध्यम तेज गेंदबाज के रूप में सिराज को चुना जाना चाहिए। उन्होंने आगे कहा, सच कहूं तो, प्रसिद्ध और सिराज दोनो ने गुजरात टाइटन्स के लिए अच्छी गेंदबाजी की। लेकिन मौजूदा फॉर्म को देखते हुए, सिराज में लय के साथ-साथ गति भी है। मैं सिराज के साथ खेलना जारी रखूंगा। श्रीकांत को यकीन नही है कि कुलदीप यादव टीम में जगह बना पाएंगे या नही। उन्होंने स्पिन गेंदबाजी ऑलराउंडर के तौर पर वाशिंगटन सुंदर का समर्थन किया। कुलदीप यादव को जगह मिलती है या नहीं, यह तो देखना होगा। वह 15 खिलाड़ियो में शामिल हो सकते है, लेकिन मुझे नही लगता कि अगर वाशिंगटन सुंदर खेल रहे है तो वह अंतिम एकादश में होंगे।

मैं वाशिंगटन सुंदर को चुनूंगा। बाएं हाथ के बल्लेबाजो के खिलाफ आपको एक ऑफ स्पिनर की जरूरत होती है। वरुण चक्रवर्ती का चुना जाना तय है।

दो साल से सरकारी विद्यालय में शरणार्थी बना शासकीय महाविद्यालय मड़वास

सुविधाओं का मोहताज बना शासकीय महाविद्यालय मड़वास, शौचालय की सुविधा को लेकर बना भटकाव

सीधी। जिले के तहसील मुख्यालय मड़वास में संचालित शासकीय महाविद्यालय मड़वास सुविधाओं का मोहताज है। शासकीय पूर्व माध्यमिक विद्यालय की बिल्डिंग में कॉलेज की क्लास दो साल से लग रही है। महाविद्यालय मड़वास में आज तक शौचालय की भी सुविधा उपलब्ध नहीं है। सीधी जिले के मझौली ब्लाक के मड़वास तहसील मुख्यालय में शासकीय महाविद्यालय मड़वास का संचालन सन् 2023 में पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के घोषणा के बाद शुरू करवाया गया था। महाविद्यालय में आज दिनांक तक छात्र-छात्राओं के लिए शौचालय की भी समुचित व्यवस्था नहीं है। महाविद्यालय के छात्र शुभम मिश्रा एवं कई छात्र- छात्राओं ने जानकारी देते हुए बताया कि मड़वास महाविद्यालय अव्यवस्थाओं के साए में चल रही है जिससे महाविद्यालय अध्ययनरत छात्र-छात्राओं को भारी परेशानी झेलनी पड़ती है। परिसर की बाउंड्री वॉल चारों तरफ टूटी है जहां असामाजिक तत्वों एवं नशेड़ियों का जमावड़ा लगा रहता है । परिसर में बोतले चारों तरफ पड़ी नजर आती है जो महाविद्यालय में असुरक्षा को दर्शाता है। महाविद्यालय से 50 मीटर दूर शासकीय मदिरा की दुकान है।बाजार में पार्किंग न होने के कारण महाविद्यालय के परिसर में लोग वाहन खड़ा कर देते हैं जिससे छात्र-छात्राओं को कॉलेज के अंदर प्रवेश करने मे भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। क्लासों के खिड़की दरवाजे टूटे हुए हैं ।छात्राओं के लिए कॉमन रूम की समुचित व्यवस्था एवं उनसे संबंधी आवश्यक सामग्री नहीं है। कॉलेज के प्रोफेसर समय से कभी नहीं पहुंचते और न ही क्लास ढंग से संचालित हो रही है। पठन-पाठन में भारी अव्यवस्था देखी जा रही है। क्लासो मे पंखे तक नहीं लगे है, महाविद्यालय भवन चारों ओर से खंडहर बना हुआ हैं।गर्ल्स कॉमन रूम की व्यवस्था नहीं है , छात्राओं से संबंधित आवश्यक स्वास्थ्य सामग्री उपलब्ध नहीं है, पुस्तकालय में एनईपी की पुस्तके उपलब्ध नहीं है ।महाविद्यालय में छात्र - छात्राओं के लिए बैठक व्यवस्था सही नहीं है। कालेजी छात्र-छात्राओं का कहना है कि माध्यमिक स्कूल में हम लोगों को बैठाया जाता है जहां पर बैठने से वहां पर पढ़ने वाले छोटे-छोटे बच्चे खेलते रहते हैं जबकि महाविद्यालय में 250 से अधिक विद्यार्थी अध्ययनरत है ।प्राथमिक उपचार हेतु कॉलेज में उपचार बॉक्स की व्यवस्था नहीं है। बाहरी लड़कों का कालेज में आवागमन बना रहता है ।छात्र - छात्राओं की सुरक्षा की दृष्टि से व्यवस्था ठीक नहीं है ।जन भागीदारी मद कि राशि शासन द्वारा निर्धारित कार्यक्रमों में खर्च की जा रही है लेकिन छात्र-छात्राओं कि सुरक्षा की बात करने पर फंड न होने का कारण बता कर पल्ला झाड़ लिया जाता है।

● मझौली विकासखण्ड की दूसरी कॉलेज मड़वास में दो वर्ष बाद भी बिना सुविधा के भवन में संचालित है। जन भागीदारी की जमा राशि जहां पुस्तकें, छात्र - छात्राओं के पाठ -पाठन और सुरक्षा के लिए खर्च होनी चाहिए वहीं फर्जी काम करा कर फर्जी बिल वाउचर के जरिए छात्र - छात्राओं का पैसा हजम कर लिया जाता है। छात्र-छात्राओं की सुविधा तथा सुरक्षा कि दृष्टि से कॉलेज में कोई भी कार्य नहीं कराया गया है। यहां तक की पीने के लिए पानी तक की व्यवस्था नहीं है, खेल उपकरण की व्यवस्था नहीं है। खेल मैदान होने के बावजूद मैदान में मवेशियों के लिए चारागाह बना है ।इस तरह कॉलेज प्रशासन द्वारा मनमानी पूर्ण रवैया अपनाया जा रहा है, अगर कुछ दिनों में सुधार नहीं हुआ तो हमें मजबूरन कॉलेज प्रशासन के खिलाफ आंदोलन करने पर बाधित होना पड़ेगा ।

शुभम मिश्रा, छात्र महाविद्यालय मड़वास

● कॉलेज में व्यवस्था के व्यापक इंतजाम कराये जा रहे हैं ।अभी हमें जो कमियां बताई गई ऐसी कोई दिक्कत हमारे महाविद्यालय मड़वास में नहीं है। पूर्व माध्यमिक स्कूल में कॉलेज तहसीलदार के आदेश के बाद हम लगा रहे हैं लेकिन लिखित रूप से कोई आदेश नहीं मिला है।

डॉ. आईपी प्रजापति, प्रभारी प्राचार्य महाविद्यालय मड़वास

संक्षिप्त समाचार

आकाशीय बिजली गिरने से दो महिला समेत तीन झुलसे

सिंगरौली । सरई थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत गड़ई गांव के मोहल्ला सिमारी डोल में बीती रात तेज गरज-चमक और बारिश के दौरान आकाशीय बिजली गिरने से बड़ा हादसा हो गया। घटना में दो भैंसों की मौत हो गई। वही घर के तीन सदस्य झुलस गये। जिनका उपचार जिला चिकित्सालय सीधी में चल रहा है। जानकारी के अनुसार शुक्रवार की रात करीब 12 बजे के बाद अचानक तेज चमक-गरज के साथ बारिश शुरू हुई। इसी दौरान घर के समीप गौशाला में आकाशीय गाज गिरने से दशरथ साहू पिता रजई साहू उम्र 45 वर्ष उनकी पत्नी शकुंतला साहू उम्र 42 वर्ष तथा बहू सोनू साहू पति रामसुशील साहू उम्र 23 वर्ष घायल हो गये। अन्य परिजनों के द्वारा घायलों को तत्काल नजदीकी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र निवास में भर्ती कराया गया। इस हादसे में दो महिलाओं की हालत नाजुक होने पर चिकित्सको ने जिला चिकित्सालय सीधी के लिए रिफर कर दिया। वही इस हादसे में दो भैंसों की भी मौत हो गई।

60 लीटर शराब के साथ आरोपी गिरफ्तार

सिंगरौली। मोरवा थाना क्षेत्र में अवैध शराब के कारोबार में लगे एक तस्कर को पुलिस ने गिरफ्तार कर उसके पास से भारी मात्रा में देशी हाथभट्टी शराब जप्त कर आबकारी अधिनियम के तहत कार्रवाई की है। जानकारी के अनुसार एसडीओपी मोरवा गौरव पाण्डेय के मार्गदर्शन में कार्यवाही करते हुए निरीक्षक उमेश प्रताप सिंह ने टीम गठित कर मुखबिर द्वारा बताए स्थान दुद्धिचुआ जंगल के बीच बहते नाले के किनारे पर रेड करवाई की। जहां अवैध शराब बनाकर उसे बेचने की फिराक में लगे फूल सिंह उर्फ प्रिया उम्र 30 वर्ष निवासी बैरहवा को नीले जर्किनों में हाथभट्टी शराब के साथ गिरफ्तार किया। पुलिस को उसके पास से कुल 60 लीटर देशी हाथभट्टी शराब बरामद हुई है। जिसे जप्त कर आरोपी पर आबकारी अधिनियम के तहत कार्रवाई की गई। उक्त कार्रवाई में उनि एनपी तिवारी समेत सउनि डीएन सिंह, उमेश अग्निहोत्री, प्रआर अर्जुन सिंह, आर सौरभ सिंह, सर्वेश यादव, अमित दिवेदी एवं ऋषि सिंह की अहम भूमिका रही।

शासकीय महाविद्यालय देवसर में मना कृष्ण जन्मोत्सव

देवसर। शासकीय महाविद्यालय देवसर में कृष्ण जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राचार्य जमुना प्रसाद नामदेव, पत्रकार बृजेश चतुर्वेदी समेत समस्त विद्यालय परिवार एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। कृष्ण जन्मोत्सव की मनमोहक झांकी रखी गई थी। इस अवसर पर क्षेत्रीय जनमानस काफी संख्या में उपस्थित रहे। जनप्रतिनिधि भी उपस्थित रहे। छात्र-छात्राओं ने भगवान कृष्ण बलदाऊ पर अपने व्याख्यान दिए तथा धूमधाम से पूजा अर्चना की गई ।साथ ही प्रसाद का वितरण भी किया गया।

भैरव समिति के आयोजन में श्रद्धालु घायल, इलाज का खर्च समाजसेवी प्रेम सिंह भाटी उठाएंगे

सरई। जन्माष्टमी महोत्सव पर आयोजित मटकी फोड़ प्रतियोगिता के दौरान एक बड़ा हादसा सामने आया। भैरव समिति घोघरा द्वारा मां धनौजा मंदिर परिसर में आयोजित इस प्रतियोगिता में रेल्वे तिराहा अग्रहरि टीम के श्रद्धालु अक्षय रावत पिता सीताशरण मटकी फोड़ते समय संतुलन खो बैठे और नीचे गिर पड़े। हादसे में उनकी कमर में गंभीर चोटें आईं और हाथ टूट गया। दुर्घटना के बाद परिजनों ने समिति और टीम से मदद की गुहार लगाई, लेकिन सभी ने हाथ खड़े कर दिए। ऐसे मुश्किल समय में समाजसेवी प्रेम सिंह भाटी ने आगे बढ़कर पीड़ित श्रद्धालु के इलाज की पूरी जिम्मेदारी उठाई।

बालक छात्रावास मधुरी में विधिक जागरूकता एवं साक्षरता शिविर आयोजित

सीधी। मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार तथा प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश प्रयाग लाल दिनकर के मार्गदर्शन में सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सीधी मुकेश कुमार शिवहरे एवं जिला विधिक सहायता अधिकारी मनीष कौशिक द्वारा दिनांक 14 अगस्त 2025 को विकलांग बालकों के लिए स्थान सी.डब्लू.एस.एन. बालक छात्रावास मधुरी जिला सीधी विधिक जागरूकता एवं साक्षरता शिविर का सफल आयोजन किया गया तथा छात्रावास का निरीक्षण भी किया गया। शिविर का उद्देश्य नालसा (बच्चों को मैत्रीपूर्ण विधिक सेवाएं और उनके संरक्षण के लिए विधिक सेवाए) योजना 2015 अंतर्गत बच्चों को देख-भाल एवं संरक्षण और सभी स्तरों पर बच्चों के कानूनी झगड़ों के लिए विधिक प्रतिनिधित्व को सुनिश्चित करना था।

संविदा नीति लागू करने संविदा कर्मचारियों ने कलेक्टर को सौपा ज्ञापन

सीधी। मध्य प्रदेश में संविदा कर्मचारियों की विभिन्न मांगों को लेकर आज दिनांक 18 अगस्त 2025 को संविदा संयुक्त संघर्ष संयुक्त मंच म.प्र. जिला इकाई सीधी द्वारा 2023 की संविदा नीति का क्रियान्वयन करने सहित अपनी 10 सूत्रीय मांगों को लेकर कलेक्टर कार्यालय में अपना ज्ञापन सौपा गया। विदित हो कि प्रदेश नेतृत्व के आह्वान पर मध्य प्रदेश में सभी जिलों के सभी विभागों में कार्यरत संविदा कर्मचारियों द्वारा अपनी 10 सूत्रीय मांगों को लेकर कलेक्टर कार्यालय में ज्ञापन सौपा गया। जिसमें प्रमुख रूप से 23 जुलाई 2023 को घोषित संविदा नीति का क्रियान्वयन करने, नियमित कर्मचारियों की तरह महंगाई भत्ता एवं अर्जित अवकाश व मेडिकल अवकाश का प्रावधान ,सीधी भर्ती में 50 प्रतिशत पदों पर संविदा कर्मचारी को आरक्षण व अनुभव का लाभ देते हुए वरीयता के आधार पर लाभ अथवा न्यूनतम कट ऑफ मार्क 33 प्रतिशत निर्धारित करने, कम से कम 20 लाख रुपए का सामूहिक बीमा ,कंडिका 9.8,6.2 एवं 11.5 विलोपित करने, शासकीय आवास के आवंटन की सुविधा साथ ही मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा 4 जुलाई 2023 को आयोजित संविदा महापंचायत में की गई घोषणा अनुसार संविदा नीति में संशोधन कर पुन: नई नीति जारी करने वह सभी विभागों में समान रूप से लागू करने वह सभी संविदा कर्मचारियों को सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने हेतु कल्याणकारी घोषणा अनुसार आदेश जारी करने की मांग शामिल है। इस अवसर पर सभी जिला इकाई के पदाधिकारी प्रमुख रूप से दिनेश गौतम अतिरिक्त कार्यक्रम अधिकारी , राजेश शुक्ला स्टेनो कलेक्टर ,मनीष कुमार सिंह, जिला प्रबंधक ई गवर्नेंस सोसायटी , चंद्रकांत सिंह प्रबंधक कुंवर बहादुर सिंह आजाद विकासखंड समन्वयक, अनिल सिंह चौहान विकासखंड समन्वयक, ब्रह्मानंद पांडे प्रभारी आवास योजना, रविंद्र दुबे विकासखंड समन्वयक, अनुराग शुक्ला विकासखंड समन्वय, निर्मल सिंह सहायक प्रबंधक ई गवर्नेंस सोसायटी, प्रदीप कुमार मिश्र लेखापाल ई-गवर्नेंस सोसायटी, राम मोहन द्विवेदी लोक सेवा प्रबंधन ,रमाकांत यादव विकासखंड समन्वय,विवेक मिश्र लैब टेक्नीशियन सहित विभिन्न विभागों के दर्जन भर अधिकारी एवं कर्मचारियो ने उपस्थिति होकर मुख्यमंत्री म.प्र. शासन के नाम ज्ञापन सौंपा।

कोरसर ग्राम पंचायत क्षेत्र में धूमधाम से मनाया गया स्वतंत्रता दिवस

सिंगरौली। जिले के चितरंगी तहसील अंतर्गत ग्राम पंचायत क्षेत्र कोरसर में 79 वां स्वतंत्रता दिवस बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। विकास की ओर अग्रसर ग्राम पंचायत कोरसर के सरपंच डॉ. स्वाति सिंह चंदेल ने सर्वप्रथम ध्वजारोहण से पहले सरस्वती माता की प्रतिमा एवं महापुरुषों की प्रतिमा पर मंत्रोच्चार के साथ पुष्प गुच्छा समर्पित कर पूजा अर्चना की।

तत्पश्चात उन्होंने राष्ट्रीय गान के साथ ध्वजारोहण किए। ध्वजारोहण वरिष्ठ जनों की उपस्थिति एवं गणमान्य नागरिकों के समक्ष हुआ।कार्यक्रम के दौरान सरपंच डॉ. स्वाति सिंह चंदेल ने सरस्वती पूर्व माध्यमिक विद्यालय कोरसर मे लाइब्रेरी का भूमि पूजन किए तथा साथ में बने हुए चबूतरे का उद्घाटन भी किए। अगली कड़ी में सरस्वती विद्यालय में बच्चों का खेल सामग्री भी वितरित किए। बस इतना ही नहीं, सरपंच डॉ. स्वाति सिंह चंदेल ने हाई स्कूल में बच्चों को साइकिल वितरित में भी अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं। तत्पश्चात कार्यक्रम में आए हुए मुख्य अतिथि एवं क्षेत्र के जनता जनार्दन स्कूल के छात्र एवं छात्राओं को मिष्ठान वितरण कराया गया। इस तरह विकास कार्यों के क्रम को लेकर ग्राम पंचायत सरपंच डॉ. स्वाति सिंह चंदेल के क्षेत्र की जनता में खुशी का डंका बजा रहा है।

सरपंच चंदेल ने जनता के दुख-सुख में सदैव अपनी भूमिका निभाने के लिए तथा जनता की सेवा करने के लिए जनता की मदद करने के लिए हर संभव तैयार रहती हैं।

इसलिए सरपंच चंदेल ने जनता के दिल में जनप्रतिनिधि के रूप में राज करती हैं। कार्यक्रम में सरपंच डॉ. स्वाति सिंह चंदेल, सचिव बाल्मिक चौबे, रोजगार सहायक हेमंत द्विवेदी, सचिन सिंह चंदेल समाजसेवी, योगेश जायसवाल संयोजक, रामदयाल यादव पोस्टमैन, प्रधानाचार्य श्रीकांत तिवारी, रविंद्र सेन आचार्य, क्षेत्र के प्रतिष्ठित नागरिक जनता-जनार्दन छात्र-छात्राओं की उपस्थिति रही।

प्रकृति ही परमात्मा का रूप है: बांके बिहारी

सीधी। गायत्री मंदिर सीधी में वैदिक मानव जन जगृती मिशन एव समस्त नगरवासी क्षेत्रवासियों महिला मंडल के द्वारा आयोजित संगीत मय श्रीमद् भगवत कथा ज्ञान यज्ञ जो की 13 तारीख से प्रवाहित हो रही है जिसके अंतर्गत बृन्दावन से पधारे कथा व्यास पंडित बांके बिहारी शास्त्री जी साहित्यचार जी ने बड़ी ही पावन कथा पंचम दिवस की व्यास पीठ से गाया जिसमें भगवान के बाल रूप का चित्रण किया गया। पुताना उद्धार समस्त राक्षसों का उद्धार करते हुऐ गिरीराज पूजन ब्रिजवासियों के द्वारा कराते हुए इंद्र के कोप से रक्षा किए एवं समाज को संदेश दिये कि भक्तों की प्रकृति ही परमात्मा का रूप है इसलिए हमें नदी पर्वत वृक्ष की रक्षा करनी चाहिए और ऐसी प्रतिज्ञा लेनी चाहिए की अपने प्रत्येक जन्म दिवस पर एक वृक्ष हम अपने लिए इस पृथ्वी में लगाएंगे ताकी पृथ्वी का संतुलन बना रहे एवं पर्यावरण बना रहे। पृथ्वी हरी भरी रहे यही हमारे सनातन वैदिक धर्म की दिव्याता है । प्रतिदिन के यजवान नीरज पाठक, रामनिवास तिवारी व्यवहर , रामनाथ सचिन सोनी, राजू मौर्य , हरिहर सोनी चकदही, सत्य प्रसाद नामदेव, छोटे लाल सोनी, अवधेश सोनी रुद्राक्ष ज्वेलर्स रहे ।कलश यात्रा में शामिल महिलाओं एवं पुरुषों को सम्मानित किया गया।

फरार वारंटियों पर पुलिस की बड़ी कार्रवाई, 36 आरोपी गिरफ्तार

सीधी। फरार वारंटियों पर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 36 आरोपियों को गिरफ्तार किया। 48 गुंडा-बदमाश व 27 निगरानी बदमाशों की कड़ी चेकिंग कर अपराध पर नकेल कसा।पुलिस अधीक्षक डॉ. रविंद्र वर्मा के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अरविन्द श्रीवास्तव एवं जिले के समस्त अनुविभागीय पुलिस अधिकारियों के मार्गदर्शन तथा थाना/चौकी प्रभारियों के नेतृत्व में दिनांक 16-17 एवं 17-18 अगस्त 2025 की दरम्यानी रात विशेष कॉम्बिंग गश्त अभियान चलाया गया।इस अभियान के दौरान लंबे समय से फरार चल रहे अपराधियों पर शिकंजा कसते हुए कुल 36 वारंट जिसमें 06 स्थायी वारंट एवं 30 गिरफ्तारी वारंट तामील कर आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। सभी आरोपियों को वैधानिक प्रक्रिया पूर्ण कर न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया।अभियान के दौरान जिले में सक्रिय अपराधियों की गतिविधियों पर अंकुश लगाने हेतु पुलिस ने 48 गुंडा-बदमाशों एवं 27 निगरानी बदमाशों की चेकिंग की। उनकी दिनचर्या एवं गतिविधियों की जानकारी लेकर उन्हें भविष्य में किसी भी प्रकार के अपराध से दूर रहने की सख्त चेतावनी दी गई।

थाना-वार कार्रवाई का विवरण: थाना कोतवाली में 02 स्थायी वारंट, 05 गिरफ्तारी वारंट, थाना जमोड़ी में 06 गिरफ्तारी वारंट,थाना रामपुर नैकिन- 01 स्थायी वारंट, 04 गिरफ्तारी वारंट, थाना चुरहट में 02 गिरफ्तारी वारंट,थाना कमर्जी में 01 गिरफ्तारी वारंट,थाना अमिलिया में 02 स्थायी वारंट, 04 गिरफ्तारी वारंट,थाना बहरी में 01 स्थायी वारंट, 04 गिरफ्तारी वारंट,थाना मझौली, कुसमी, भुईमाड़ एवं थाना सेमरिया 01-01 गिरफ्तारी वारंट तामील किये गये।

खण्डस्तर पर योजनाओं के क्रियान्वयन की नियमित समीक्षा करें: स्वरोचिष

कलेक्टर ने समय-सीमा बैठक में अधिकारियों को दिए निर्देश

सीधी। समय-सीमा पत्रों की समीक्षा बैठक में कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी द्वारा विकासखण्ड स्तर पर योजनाओं के क्रियान्वयन तथा सीएम हेल्पलाइन में दर्ज शिकायतों के निराकरण की नियमित समीक्षा करने के निर्देश दिए गए हैं। कलेक्टर ने कहा कि सभी उपखण्ड अधिकारी राजस्व अपने उपखण्ड में विभागीय योजनाओं के क्रियान्वयन की नियमित समीक्षा करेंगे। इसके साथ ही सीएम हेल्पलाइन में दर्ज शिकायतों के निराकरण की नियमित समीक्षा करेंगें। सभी अपने खण्ड स्तरीय अधिकारियों से नियमित समीक्षा करेंगे। कलेक्टर ने सभी समीक्षा बैठकों का कार्यवाही विवरण कलेक्टर कार्यालय को अनिवार्यत: उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर द्वारा सीएम हेल्पलाइन में दर्ज शिकायतों के निराकरण की विभागवार विस्तृत समीक्षा की गई। उन्होंने सीएम हेल्पलाइन में दर्ज शिकायतों का समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। कलेक्टर ने कहा कि सभी विभाग शिकायतों के निराकरण में ए ग्रेड लाने का प्रयास करेंगे। उन्होंने समाधान ऑनलाइन कार्यक्रम के लिए चयनित विषयों से संबंधित शिकायतों के शत प्रतिशत निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। बैठक में बिना पूर्व सूचना के अनुपस्थित रहने पर सिविल सर्जन को कारण बताओ सूचना पत्र जारी करने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर ने मुख्यमंत्री की वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से आयोजित समीक्षा बैठकों में सभी जिलास्तरीय अधिकारियों को अनिवार्य रूप से उपस्थित रहने के निर्देश दिए हैं। बैठक में कलेक्टर द्वारा समस्त निर्माण विभागों से खनिज राजस्व के सम्बन्ध में जानकारी प्राप्त कर संविदाकारों द्वारा प्रस्तुत रॉयल्टी क्लियरेंस सर्टिफिकेट की गहनता पूर्वक जांच कर उनके विभाग अंतर्गत पूर्ण एवं प्रगतिरत परियोजनाओं में प्रयुक्त गौण खनिजों जैसे गिट्टी, रेत, मिट्टी, मुरूम इत्यादि की रॉयल्टी जमा कराने के निर्देश दिए गए हैं। बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अंशुमन राज, डिप्टी कलेक्टर राकेश शुक्ला, उपखण्ड अधिकारी मझौली आरपी त्रिपाठी, चुरहट शैलेश द्विवेदी सहित सभी विभागों के जिलास्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

स्वत्वधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक रामपाल सिंह परमार द्वारा जय माता प्रिंटर्स, 28, कुम्हारपुरा, चर्च रोड, जिंसी चौराहा, जहांगीराबाद, भोपाल, मध्यप्रदेश से मुद्रित एवं 49 वर्धमान ग्रीन एन्क्लेव दामखेड़ा, सागर लैंड मार्क के पास अयोध्या बायपास, भोपाल (मप्र) से प्रकाशित। संपादक रामपाल सिंह परमार। समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार (समस्त न्यायिक मामलों का क्षेत्र भोपाल न्यायालय रहेगा) फोन नं. - 8770932048